कोटद्वार, शनिवार
18 अक्टूबर 2025
वर्ष: 47
अंक: 159 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नगेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

तुंगनाथ मंदिर के कपाट 6 नवंबर को होंगे बंद

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : श्री तुंगनाथ मंदिर के कपाट शीतकाल हेतु आमामी 06 नवंबर को बंद कर दिए जाएंगे। भगवान तुंगनाथ की उत्सव डोली शीतकाल हेतु मक्कूमठ हेतु प्रस्थान करेगी।

श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के मुख्य कार्याधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि तृतीय केदार श्री तुंगनाथ मंदिर के कपाट आगामी शीतकाल हेतु 06 नवंबर को पूर्व परम्परानुसार बंद कर दिए जाएंगे। बताया कि भगवान श्री तुंगनाथ की उत्सव डोली यात्रा 06 नवंबर को प्रातः प्रस्थान कर रात्रि विश्राम हेतु चोपता पहुंचेगी। इसके उपरांत 07 नवंबर को रात्रि विश्राम हेतु भनकुन (गुफा) तथा 08 नवंबर को शीतकालीन गद्दी स्थल श्री मक्कूमठ मंदिर में पहुंचेगी।

आत्मनिर्भर भारत के लिए रोजगार अपनाना बहुत आवश्यक : राज्यमंत्री

देहरादून। राज्य स्तरीय महिला उद्यमिता परिषद की उपाध्यक्ष विनोद उनियाल ने कहा कि स्वरोजगार भारत की आर्थिक व्यवस्था की रीढ़ है। उद्योग बड़े पैमाने पर रोजगार प्रदान करते हैं व साथ ही नवाचार स्थानीय उत्पादकता व निर्यात में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आत्मनिर्भर भारत के लिए रोजगार अपनाना बहुत आवश्यक है। उद्योग निदेशालय में अधिकारियों के साथ वोकल फार लोकल विषय पर विस्तार से चर्चा की । शुक्रवार को राज्य स्तरीय महिला उद्यमिता परिषद की उपाध्यक्ष विनोद उनियाल ने उद्योग निदेशालय में अधिकारियों के साथ वोकल फार लोकल विषय पर विस्तार से चर्चा की। राज्यमंत्री विनोद उनियाल ने कहा कि एकल स्वरोजगार योजना, सरकार बनी अकेली महिला की सहेली ,सशक्त उद्यमी महिला योजना के तहत पात्रों को लाभ मिल रहा है। केंद्र सरकार व राज्य सरकार की अनेकों योजनाएं चल रही हैं, जिसमें मिशन वात्सल्य ,मात्र बंधन योजना, नारी शक्ति बंधन अधिनियम एवं लखपति दीदी योजना के अंतर्गत अभी तक डेढ़ लाख से ज्यादा लखपति दीदी बनाई गई है। सरकार का लक्ष्य निवेश को आकर्षक व राज्य को विकास की दौड़ में बराबर की भागीदारी हो ,कौशल विकास के माध्यम से बेरोजगारी की कमी व किसी व्यक्ति की ज्ञान क्षमता ,दक्षता एवं कार्य कुशलता को बढ़ावा देना ताकि किसी कार्य को बेहतर तरीके से किया जाए। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सदैव प्रयास रहा है कि भारत आत्मनिर्भर बने और देश के छोटे बड़े उद्योग विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाएं।

गंगा में गिरा युवक, तलाश जारी

ऋषिकेश। ऋषिकेश लक्ष्मण झूला निर्माणाधीन बजरंग सेतु से एक युवक गंगा में गिर गया। अपने दो दोस्तों के साथ युवक घूमने आया था। हादसे के बाद से युवक की तलाश की जा रही है। एसडीआरएफ टीम द्वारा खोजबीन की जा रही है। लगातार चेतावनियों और रोक–टोक के बावजूद पर्यटकों का बजरंग सेतु पर आवागमन थमने का नाम नहीं ले रहा था। निर्माणाधीन पुल पर भीड़ और अव्यवस्था के कारण आखिरकार हादसा हो ही गया। जानकारी के अनुसार, बृहस्पत्तिवार रात दिल्ली से आए तीन दोस्तों में से एक युवक निर्माणाधीन कांच के पुल पर चढ़ गया। इसी दौरान अधूरे हिस्से से फिसलकर वह गंगा नदी में गिर गया। बताया गया कि जिस स्थान पर वह गया था, वहां शीशे का कार्य अधूरा था।

पर्यटकों की भीड़ के कारण कार्य लगातार प्रभावित हो रहा: सेतु निर्माण में लगे मजदूरों ने बताया कि पर्यटकों की भीड़ के कारण कार्य लगातार प्रभावित हो रहा था। कई बार पर्यटक न केवल रोकने पर झगड़ते थे, बल्कि कुछ खुद को वीआईपी बताकर अधिकारियों से शिकायत की धमकी देते थे। दशहरे के दिन तो भीड़ ने बंद किए गए हिस्से के टीन शेड तक तोड़ दिए थे।निर्माण एजेंसी का कहना है कि पुल का कार्य अब अंतिम चरण में है। ऐसे में प्रशासन को पर्यटकों के लिए निश्चित समय तय कर आवागमन नियंत्रित करना चाहिए, ताकि निर्माण कार्य सुचारू रूप से पूरा हो सके और इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों।

सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर आत्मनिर्भर भारत तक

पीएम मोदी ने कहा– अब कोई हमें रोक नहीं सकता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत अब आतंकवादी हमलों पर चुप नहीं रहता, बल्कि मुंहतोड़ जवाब देता है। उन्होंने कहा कि भारत अब 'रुकने के मूड में नहीं है' और दुनिया में चाहे कितनी भी रुकावटें क्यों न आएं, देश तेज रफ्तार से आगे बढ़ता रहेगा। प्रधानमंत्री ने यह बातें नई दिल्ली में आयोजित एनडीटीवी वर्ल्ड समिट को संबोधित करते हुए कहीं हैं।

आतंक पर भारत का सख्त रुख

पीएम मोदी ने इस दौरान कहा, 'भारत अब आतंकवादी हमलों पर चुप नहीं बैठता। सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर के जरिए हम जवाब देते हैं।' उन्होंने कहा कि देश अब पहले जैसा नहीं रहा, अब हमला होने पर तुरंत कार्रवाई होती है और दुनिया भारत की क्षमता को देख रही है।

हम रुकने वाले नहीं है– पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने इस दौरान जोर देकर कहा, 'भारत आज रुकने के मूड में भी नहीं है। हम न रुकेंगे, न थमेंगे। 140 करोड़ भारतीय पूरी ताकत से आगे बढ़ रहे हैं।' उन्होंने कहा कि पहले दुनिया को लगता था कि भारत अपनी समस्याओं में उलझकर आगे नहीं बढ़ पाएगा, लेकिन पिछले 11 वर्षों में भारत ने हर डर और चुनौती को पीछे छोड़ दिया है।

'कमजोर से दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्था तक'

पीएम मोदी ने बताया कि एक समय भारत को कमजोर पांच अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था। 'आज भारत दुनिया की प्रमुख पांच अर्थव्यवस्थाओं में है। चिप्स से लेकर शिप्स तक, हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत आत्मविश्वास से भरा हुआ है।' उन्होंने कहा कि आज का भारत किसी भी संकट के सामने घुटने नहीं टेकता, बल्कि चुनौती को अवसर में बदलता है।

कोविड का जिक्र– 'सबको गलत साबित किया'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'कोविड के उस दौर को याद कीजिए, जब दुनिया जीवन और मृत्यु के साये में जी रही थी... लोगों को लग रहा था कि भारत के कारण दुनिया डूब जाएगी... लेकिन भारत ने हर कयास को गलत साबित कर दिया... हमने तेजी से अपनी वैक्सीन विकसित की। हमने रिकॉर्ड समय में टीके लगाए। इतने बड़े संकट पर काबू पाकर हम सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन गए।' उन्होंने कहा कि इसी आत्मविश्वास ने भारत को सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना दिया।

यूपीसीएल के कर्मचारियों को दिवाली का तोहफा, बोनस और महंगाई भत्ते की दी सौगात

देहरादून : उत्तराखंड पावर कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीसीएल) ने अपने कर्मचारियों को दिवाली बोनस और महंगाई भत्ते का तोहफा दिया है। इस संबंध में निगम प्रबंधन ने आदेश जारी कर दिया।यूपीसीएल के एमडी अनिल कुमार सभी नियमित कर्मचारियों को एक जुलाई 2025 से तीन प्रतिशत बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता देने का आदेश जारी किया। इसके तहत अब कर्मचारियों व अधिकारियों को 55 के बजाय 58 प्रतिशत राशि महंगाई भत्ते के तौर पर दी जाएगी। दूसरी ओर नियमित कर्मचारियों को नियमानुसार 7000 रुपये तक का दिवाली बोनस दिया जाएगा। वहीं, यूपीसीएल के उपनल, सेल्फ हेल्प ग्रुप कर्मचारियों को 5000 रुपये का एकमुश्त दिवाली बोनस मिलेगा। इससे कर्मचारियों में खुशी की लहर है।

दीपावली पर्व पर स्वदेशी उत्पादों से अपने घरों को रोशन करें : धामी

मुख्यमंत्री ने दी प्रदेशवासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भैया दूज की शुभकामनाएं

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा तथा भैया दूज की शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों की सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हुए कहा है कि धनतेरस आरोग्यता के देव भगवान धन्वंतरि की पूजा का पर्व है। भगवान धन्वंतरी हम सबके जीवन में सुख-समृद्धि एवं आरोग्यता प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड के कारीगरों की परंपरा और कौशल अत्यंत समृद्ध है। मिट्टी के दीये, हस्तनिर्मित सजावटी सामग्री, जैविक उत्पाद और पहाड़ी खाद्य पदार्थ न केवल स्थानीय स्तर पर लोकप्रिय हैं, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने सभी से इस दीपावली पर्व पर स्वदेशी उत्पादों से अपने घरों को रोशन करने की अपेक्षा की ताकि किसी अन्य परिवार के घर में भी खुशियों के दीप जल सकें।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दीपावली के पावन पर्व को सुख, समृद्धि और संपन्नता का प्रतीक बताते हुए सभी प्रदेशवासियों को दीपावली के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि माँ लक्ष्मी और भगवान श्री गणेश जी के आशीर्वाद से हम सभी के जीवन में सुख समृद्धि, शांति एवं आरोग्यता का संचार हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपावली का यह पर्व केवल रोशनी, उत्साह और आनन्द का ही नहीं बल्कि आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान का भी प्रतीक है। दीपावली राष्ट्रीय अस्मिता और गौरव का भी पर्व है। प्रकाश का यह पर्व हम सब के जीवन में धन, वैभव, यश, ऐश्वर्य और संपन्नता लेकर आये। उन्होंने कहा कि दीपावली का पर्व सत्य, सद्भावना एवं मर्यादा का भी संदेश देता है। दीपों का यह पर्व भगवान राम के 14 वर्ष के वनवास के पश्चात वापस अयोध्या आने से भी जुड़ा है। दीपावली का पर्व बुराई पर अच्छाई और अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोवर्धन पूजा समाज एवं देश की आर्थिक एवं सांस्कृतिक संसाधनों के संरक्षण का प्रतीक है। भैया दूज के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों, विशेष रूप से महिलाओं को बधाई व शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पर्व भाई-बहनों के आपसी प्रेम, मातृ शक्ति के सम्मान के साथ परिवार एवं समाज में उनके महत्व को भी प्रदर्शित करता है।

भागीरथी इको सेंसिटिव जोन में अवैध निर्माण पर हाईकोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा

उत्तरकाशी डीएम समेत अन्य संबंधित अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से 3 नवंबर को कोर्ट में पेश होने के आदेश

नैनीताल। उत्तरकाशी से गोमुख तक भागीरथी इको सेंसिटिव जोन में नदी के किनारे एनजीटी के नियमों को दरकिनार कर अवैध होटल और रिसॉर्ट बनाने की अनुमति दिए जाने के मामले पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। मामले में मुख्य न्यायाधीश जी नरेंद्र और न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ पूर्व के आदेश पर पेश की गई रिपोर्ट से संतुष्ट नहीं हुई। जिसके बाद खंडपीठ ने आगामी 3 नवंबर को उत्तरकाशी डीएम समेत अन्य संबंधित अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश होने को कहा है। हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा है कि एनजीटी यानी राष्ट्रीय हरित अधिकरण की ओर से दिए गए दिशा निर्देशों पर कितना अमल हुआ है? इसकी एक रिपोर्ट कोर्ट के सामने पेश करें। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की तरफ से कहा गया कि हर साल फ्लड आता है, लेकिन नेचर लवर को लुभाने के लिए नदी किनारे और हिमालय व्यू को दिखाने के लिए ग्लेशियर के आस पास सरकार की ओर से कैंप, होटल व रिसॉर्ट बनाने की अनुमति बिना सर्वे के दिए जा रहे हैं।

सरकार ने रखा अपना पक्षः याचिकाकर्ता का कहना है कि अनुमति दिए जाने से पहले उस क्षेत्र का वैज्ञानिक तरीके से जांच कराई जाए। उसके आधार पर निर्माण कार्यों की अनुमति दी जाए। ताकि, फ्लड आने पर जान माल की हानि न हो। जबकि, सरकार की तरफ से अपना पक्ष रखा गया। जिसमें उनका कहना था कि सरकार ने जो अनुमति दी है, उसे सर्वे करके ही दिया है। जिस पर कोर्ट ने फिर से सरकार से एक पूर्ण सर्वे रिपोर्ट पेश करने को कहा है। हिमालयन नागरिक दृष्टी मंच ने हाईकोर्ट में दायर की है याचिकाः दरअसल, हिमालयन नागरिक दृष्टी मंच ने नैनीताल हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की है। जिसमें उन्होंने कहा है कि गंगोत्री से लेकर उत्तरकाशी तक भागीरथी नदी के किनारे जमकर निर्माण हुआ है। जो अब भी लगातार हो रहा है, जो मानकों के खिलाफ है। जिसकी वजह से उत्तरकाशी में बार–बार आपदा आ रही है। याचिका में इन इलाकों में निर्माण के साथ ही अवैध कार्यों पर रोक लगाने की मांग की गई है। बता दें कि पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार ने 18 दिसंबर 2012 को उत्तरकाशी से गंगोत्री तक के 100 किमी के क्षेत्र को इको सेंसिटिव जोन घोषित किया था।

हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को प्राग फार्म में खड़ी फसल काटने की अनुमति दी

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने उधमसिंह नगर स्थित प्रसिद्ध प्राग फार्म की भूमि पर खड़ी फसल की कटाई और बिक्री करने की अनुमति दिए जाने को लेकर दायर एकलपीठ के आदेश को चुनौती देती विशेष अपील पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद मुख्य न्यायाधीश जी नरेंद्र व न्यायमूर्ति आलोक महरा की खंडपीठ ने एकलपीठ के आदेश पर रोक लगाते हुए, याचिकाकर्ताओं को फसल काटने की अनुमति दे दी है। कोर्ट ने सरकार से इसमें जवाब भी पेश करने को कहा है। प्राग भूमि पर खड़ी फसल पर हाईकोर्ट ने दिया फैसलाः एकलपीठ के आदेश को अपीलकर्ता माधवी अग्रवाल और अन्य ने विशेष अपील के माध्यम से चुनौती दी थी। अपीलकर्ता के वरिष्ठ अधिवक्ता टीए खान ने बताया कि वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की एकलपीठ ने एक आदेश जारी कर राज्य सरकार के हक में फैसला देते हुए कहा कि प्राग फार्म की भूमि पर खड़ी फसल की कटाई व बिक्री सरकार करेगी और पैसे को एक अलग खाते में रखेगी। याचिकाकर्ताओं ने दिया ये तर्कः इस आदेश के खिलाफ पीड़ितों की तरफ से अपील की गई।

एक मंडप, एक दुल्हा लेकिन दुल्हन 2, शख्स ने एक साथ कर ली 2 बेस्ट फ्रेंड से शादी

दिल्ली। कर्नाटक के चित्रदुर्ग से हाल ही में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसे सुनकर आपका भी सिर घूम जाएगा। यहां एक शख्स ने एक साथ एक ही मंडप पर 2 लड़कियों से शादी कर ली। जानकारी के मुताबिक ये दोनों लड़कियां बेस्ट फ्रेंड्स है और उन्हें इस अनोखी शादी से कोई परेशानी नहीं हुई। इस अनोखी शादी समारोह का आयोजन कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले के होरापेट इलाके में स्थित एक भव्य पैलेस में किया गया था। न्यूज 18 की एक रिपोर्ट के मुताबिक यहां बीते 16 अक्टूबर को 25 वर्षीय वसीम शेख अपने दो सबसे करीबी दोस्तों, शिफा शेख और जन्नत मखंडर के साथ शादी के बंधन में बंध गए। खास बात यह रही कि इस शादी में तीनों परिवार भी शामिल हुए। इस शादी की कुछ तस्वीरें भी सामने आई हैं जहां दोनों दुल्हनें एक जैसी शादी के जोड़े में नजर आ रही हैं। वहीं वसीम दोनों का हाथ पकड़े तस्वीरें खिंचाता हुआ नजरा आया। इस जोड़े से जुड़े कुछ लोगों ने बताया कि तीनों कई सालों से पक्के दोस्त थे और इसीलिए उन्होंने साथ रहने का फैसला लिया है। इस शादी ने बीते दिनों हिमाचल के सिरमौर जिले से आई खबर की यादें ताजा कर दी हैं। यहां शिलाई गांव में हाटी समुदाय के दो सगे भाइयों, प्रदीप नेगी और कपिल नेगी ने, सुनीता चौहान नाम की एक ही युवती से शादी कर ली थी। उन्होंने इस शादी को पुरानी 'जोड़ीदार' प्रथा पर आधारित बताया था। इस परंपरा के तहत परिवार की जमीन को बंटने से रोकने और एकजुटता बनाए रखने के लिए एक महिला दो या दो से अधिक भाइयों से शादी करती है।

भगोड़े मेहुल चैकसी को भारत लाने का रास्ता साफ

बेल्जियम की अदालत ने दिया प्रत्यर्पण का आदेश

नई दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक के करीब 13 हजार करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में मेहुल चौकसी को भारत लाने का रास्ता साफ हो गया है। शुक्रवार को बेल्जियम की एक अदालत ने भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चौकसी के भारत प्रत्यर्पण का आदेश दे दिया है। वहीं अदालत ने बेल्जियम के अधिकारियों द्वारा उसकी गिरफ्तारी को भी वैध करार दिया गया है। इस मामले से परिचित एक अधिकारी के मुताबिक चौकसी को भारत लाने की दिशा में यह एक अहम कदम है। अधिकारी ने बताया, ह्मेहुल चौकसी के पास अभी भी उच्च न्यायालय में इस फैसले के खिलाफ अपील करने का विकल्प है। इसका मतलब है कि उसे अभी तुरंत नहीं लाया जा सकता है, लेकिन पहला और एक बहुत ही महत्वपूर्ण चरण पूरा हो गया है।"

चार महीने पहले हुआ था गिरफ्तार

इससे पहले एंटवर्प की अदालत ने शुक्रवार को भारत की ओर से बेल्जियम के अभियोजकों और चौकसी का पक्ष सुना और फैसला सुनाया कि उसकी गिरफ्तारी और भारत का प्रत्यर्पण अनुरोध पूरी तरह वैध है। बता दें कि 65 वर्षीय चौकसी को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा भेजे गए प्रत्यर्पण अनुरोध के आधार पर 11 अप्रैल को एंटवर्प पुलिस ने गिरफ्तार किया था और वह चार महीने से ज्यादा समय से जेल में बंद है।

जमानत की अर्जी खारिज

चौकसी धोखाधड़ी करके एंटीगुआ और बारबुडा भाग गया था और घोटाले का खुलासा होने से महीनों पहले उसने वहां की नागरिकता ले ली थी।

गुजरात के नए मंत्रियों में विभागों का बंटवारा, हर्ष सांघवी को फिर गृह विभाग

नई दिल्ली।गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को एक बड़े फेरबदल में अपनी मंत्रिपरिषद में 19 नये चेहरों को शामिल किया और अपनी पिछली टीम से छह को बरकरार रखा। हर्ष संघवी को उपमुख्यमंत्री के रूप में पदोन्नत किया गया जबकि क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा जडेजा को भी मंत्रिपरिषद में जगह मिली। इस फेरबदल के साथ, मंत्रिपरिषद की कुल संख्या अब मुख्यमंत्री समेत 26 हो गई है, जो पहले 17 थी। शपथग्रहण समारोह के बाद अब मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अपनी नई कैबिनेट में शामिल सभी मंत्रियों में विभागों का बंटवारा कर दिया है।

हर्ष सांघवी को जहां एक बार फिर गृह विभाग की जिम्मेदारी दी गई है तो वहीं कनुभाई मोहनलाल देसाई को वित्त मंत्रालय समेत अन्य मंत्रालयों की जिम्मेदारी दी है। इसके अलावा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने खुद भी अहम मंत्रालय अपने पास रखे हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के पास सामान्य प्रशासन, प्रशासनिक सुधार एवं प्रशिक्षण और अन्य विभाग हैं। वहीं उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी को गृह, पुलिस आवास, जेल, सीमा सुरक्षा, ग्राम रक्षक दल, नागरिक सुरक्षा, मद्य निषेध एवं उत्पाद शुल्क, परिवहन, विधि एवं न्याय, खेल एवं युवा सेवाएं और अन्य विभाग दिए गए हैं। मंत्री कनुभाई मोहनलाल देसाई को वित्त, नगरीय विकास एवं नगरीय आवास विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। मंत्री ऋषिकेश गणेशभाई पटेल को ऊर्जा एवं पेट्रोरसायन, पंचायत एवं ग्रामीण आवास, विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग मिले हैं। मंत्री रीवाबा रवींद्रसिंह जडेजा को प्राइमरी, सेकेंडरी और एडल्ट शिक्षा विभाग मिले हैं।

नैनीताल बैंक की दोराहा शाखा में लगी आग, पाया काबू

काशीपुर। शुक्रवार की सुबह करीब 11 बजे बाजपुर के दोराहा स्थित नैनीताल बैंक शाखा में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी थी। घटना के समय बैंक में कर्मचारी और ग्राहक मौजूद थे। धुआं फैलते ही लोग घबराकर बाहर निकलने लगे। स्थिति गंभीर होती देख बैंक अधिकारी हिमांशु और पुलिसकर्मी गिरजा शंकर ने सूझबूझ और बहादुरी का परिचय देते हुए आग बुझाने वाले उपकरणों की मदद से आग पर काबू पा लिया। नैनीताल बैंक के शाखा प्रबंधक सुमित भंडारी ने बताया कि सुबह सभी कर्मचारी सामान्य रूप से काम कर रहे थे, तभी अचानक बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट हुआ। इससे निकली चिंगारी पास रखे कपड़े में जा लगी और आग भड़क उठी। देखते ही देखते धुआं पूरे बैंक में फैल गया। एहतियातन सभी कर्मचारियों और ग्राहकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

चीन पर ज्यादा टैरिफ टिकाऊ नहीं, ऐसा करने को मजबूर किया गया: डोनाल्ड ट्रंप

नई दिल्ली। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ को लेकर तनाव बरकरार है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि चीन पर लगाए गए टैरिफ टिकाऊ नहीं हैं। ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बैठक होने वाली है। फॉक्स बिजनेस के साथ एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि क्या इस साल की शुरुआत में दोनों देशों ने एक–दूसरे पर जो टैरिफ लगाए थे, वे बने रह सकते हैं? ट्रंप ने कहा, यह टिकाऊ नहीं है।"ट्रंप ने कहा, लेकिन नंबर यही है, आप जानते हैं, यह बना रह सकता है, लेकिन उन्होंने मुझे ऐसा करने के लिए मजबूर किया। उन्होंने आगे कहा कि वह दो हफ्ते में चीनी प्रेसिडेंट शी जिनपिंग से मिलेंगे और उन्हें लगता है कि चीन के साथ सब ठीक हो जाएगा। ट्रंप ने कहा, चीन हमेशा बढ़त की तलाश में रहता है। मुझे नहीं पता कि क्या होने वाला है। देखते हैं क्या होता है। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ विवाद ने टैरिफ वॉर में चीनी सामानों पर अमेरिका इंपोर्ट टैक्स को 145% तक बढ़ा दिया था, जिससे ग्लोबल मंदी का डर बढ़ गया था। हालांकि, बाद में उसे छह महीनों के लिए रोक दिया गया था। वहीं, पिछले हफ्ते, ट्रंप ने एक नवंबर तक चीनी सामान पर 100 फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने की धमकी दी और शी के साथ तय मीटिंग कैंसिल करने पर भी बात की, जो इस महीने के आखिर में साउथ कोरिया में एशिया–पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन समिट के दौरान होने की उम्मीद थी। इंटरव्यू में ट्रंप ने शी के बारे में कहा, "मेरी उनसे अच्छी बनती है।"उन्होंने आगे कहा, "मुझे लगता है कि चीन के साथ सब ठीक रहेगा, लेकिन हमें एक फेयर डील करनी होगी। यह फेयर होनी चाहिए।" बुधवार को जब ट्रंप से चीन के साथ ट्रेड वॉर के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, "ठीक है, अब आप एक में हैं, अगर वे ट्रेड डील पर नहीं पहुंच पाते हैं।

उत्तराखंड खनन सुधारों में अग्रणी : खनन मंत्रालय ने जारी किया राज्य खनन तत्परता सूचकांक

– पंजाब, त्रिपुरा के साथ 'सी' कैटेगरी में अग्रणी स्थान पर उत्तराखंड

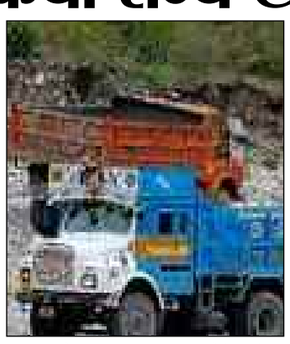

देहरादून। खनन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गुरुवार को जारी राज्य खनन तत्परता सूचकांक में उत्तराखंड ने 'सी' कैटेगरी में अग्रणी स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि राज्य सरकार के खनन क्षेत्र में पारदर्शिता, दक्षता, सतत विकास और तकनीकी उन्नयन के प्रति किए जा रहे सतत प्रयासों का परिणाम है। केंद्रीय बजट 2025–26 में की गई घोषणा के अनुरूप तैयार किया गया यह सूचकांक देश के विभिन्न राज्यों का मूल्यांकन खनन सुधारों, नीतिगत पारदर्शिता, पर्यावरणीय संतुलन, खनिज अन्वेषण क्षमता और प्रशासनिक दक्षता जैसे अनेक मापदंडों के आधार पर करता है। इस सूचकांक में मध्य प्रदेश, गुजरात और राजस्थान को 'ए' कैटेगरी में, गोवा, उत्तर प्रदेश और असम को 'बी' कैटेगरी में तथा उत्तराखंड को पंजाब और त्रिपुरा के साथ 'सी' कैटेगरी में अग्रणी स्थान प्रदान किया गया है। खनन मंत्रालय के अनुसार, यह सूचकांक राज्यों में खनन क्षेत्र में बेंचमार्किंग और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करने का कार्य करेगा, जिससे देशभर में खनन सुधारों की गति और पर्यावरण–अनुकूल नीतियों के क्रियान्वयन को और बल मिलेगा।

उत्तराखंड के खनन क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार

राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में खनन क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही को सुनिश्चित करने के लिए कई महत्त्वपूर्ण कदम उठाए हैं। ई–नीलामी प्रणाली को और अधिक सशक्त किया गया है, जिससे खनन पट्टों के आवंटन में पारदर्शिता आई है। खनन से संबंधित प्रक्रियाओं को डिजिटाइज कर जनता और उद्यमियों के लिए प्रक्रिया को सुगम बनाया गया है। अवैध खनन पर नियंत्रण के लिए सैटेलाइट आधारित निगरानी प्रणाली लागू की गई है। खनिज परिवहन के लिए ई–रवन्ना प्रणाली को सख्ती से लागू कर राजस्व हानि पर प्रभावी रोक लगाई गई है। पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में सस्टेनेबल माइनिंग प्रैक्टिसेस को अपनाने के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह उपलब्धि उत्तराखंड सरकार के सशक्त शासन मॉडल, पारदर्शी नीतियों और जन केंद्रित दृष्टिकोण का परिणाम है।

नागरिकों की मौत पर ज्ञान दे रहा था बांग्लादेश, भारत ने खोल दिया पूरा चिट्ठा

नई दिल्ली।भारत ने बांग्लादेश के उस दावे का सच बता दिया है, जिसमें उसने कहा है कि उसके तीन नागरिकों को भारत में मार डाला गया। भारतीय विदेश मंत्रालय के बयान के मुताबिक यह तीनों बांग्लादेशी स्मगलर थे। इन तीनों ने अवैध रूप से अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार की थी। इन्होंने एक गांववाले को मार डाला था। जानकारी के मुताबिक यह घटना 15 अक्टूबर को हुई थी। बता दें कि बांग्लादेश ने अपने नागरिकों के लिए न्याय की मांग की है। साथ ही तत्काल और पारदर्शी जांच की भी बात उठाई है। ढाका ने इसको लेकर विरोध भी दर्ज कराया है। भारत ने ढाका के नैरेटिव का पर्दाफाश करते हुए घटना की हकीकत बयां की है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि यह घटना भारतीय सीमा के तीन किलोमीटर अंदर हुई थी। बयान के मुताबिक इन तीनों घुसपैठियों ने त्रिपुरा के बिदियाबिल गांव से एक मवेशी को चुराया। स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया। इस पर इन लोगों ने लोहे की छड़ और चाकुओं से एक गांववाले को मार डाला। इस दौरान अन्य गांववाले भी मौके पर पहुंचे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि जब तक अधिकारी मौके पर पहुंचे, दो घुसपैठियों की मौत हो गई थी। वहीं, तीसरे ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उन्होंने कहा कि सभी शव बांग्लादेशी अधिकारियों को सौंप दिया गया है। इससे पहले बांग्लादेश के विदेश मंत्री ने इस घटना को बेदद बर्बर बताया था। साथ ही उन्होंने कहा था कि यह स्वीकार करने योग्य नहीं है और मानवाधिकारों का उल्लंघन है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि भारत सरकार को गंभीर कदम उठाते हुए इस तरह की अमानवीय घटनाओं पर लगाम लगानी चाहिए।

सम्पादकीय

चाहिए सतर्क दृष्टि

ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ वॉर में भारत के प्रति कोई नरमी नहीं बरती है। क्या वार्ता के अगले चरण में वह ऐसा करेगा? या भारत अपनी 'लक्ष्मण रेखाओंझ एवं विदेश नीति संबंधी संप्रभुता पर समझौता करने पर राजी हो जाएगा? अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत के अगले दौर के लिए भारतीय दल वॉशिंगटन पहुंच रहा है, तो उसके सामने वही सवाल और चुनौतियां हैं, जिनकी वजह से पिछले पांच दौर की वार्ताओँ में बात आगे नहीं बढ़ी। सवाल है कि क्या भारत व्यापार के साथ—साथ भू—राजनीति संबंधी उन अमेरिकी मांगों पर राजी होगा, जिन्हें डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन टैरिफ वॉर के जरिए पूरा कराना चाहता है? ट्रंप ने यह जताने में कोई कोताही नहीं बरती है कि आयात शुल्क को वे ऐसा हथियार मानते हैं, जिसके उपयोग से वे अपने सारे मकसद साध सकते हैं। भारत खुद उनके इस नजरिए का शिकार बना है। रूस से कच्चा तेल खरीदने के दंड के तौर पर उन्होंने भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाया हुआ है।

इस तरह ट्रंप ने भारतीय विदेश नीति को अमेरिकी हितों के मुताबिक ढालने का दबाव बना रखा है। व्यापार संबंध में उनका प्रशासन भारत की 'लक्ष्मण रेखाओंझ (कृषि एवं डेयरी क्षेत्र को अमेरिकी कंपनियों के लिए ना खोलने के निर्णय) को बिल्कुल तव्वजो देने के मूड में नहीं है। एक बड़ी समस्या ट्रंप का अस्थिर स्वभाव भी है। चीन के मामले में जाहिर हुआ कि जो सहमतियां बनीं, उनके खिलाफ जाते हुए ट्रंप प्रशासन ने कुछ ऐसे कदम उठाए, जिससे बात फिर जहां की तहां पहुंच गई। तब चीन ने रेयर अर्थ सामग्रियों के निर्यात को नियंत्रित करने का एलान किया, जिसके परिणामों को समझते हुए अब फिर ट्रंप प्रशासन ने रुख नरम किया है। बहरहाल, रेयर अर्थ जैसे कुछ क्षेत्रों में अपने लगभग एकाधिकार के कारण चीन जवाबी कदम उठाने की स्थिति में है। भारत के साथ यह सुविधा नहीं है। भू—राजनीतिक मामलों में बेशक भारत के साथ अमेरिका की अपेक्षाकृत अधिक निकटता है, फिर भी ट्रंप प्रशासन ने व्यापार में भारत के प्रति कोई रियायत नहीं बरती है। तो मुद्दा है कि क्या अब वह ऐसा करेगा? या भारत अपनी 'लक्ष्मण रेखाओंझ एवं विदेश नीति संबंधी संप्रभुता पर समझौता करेगा? सिर्फ इन दो स्थितियों में ही बात आगे बढ़ सकती है। वरना, संभावना है कि वार्ता के छठे दौर का अंजाम भी पहले जैसा ही रहेगा।

सर्दियों में फटे होंठ और डबल चिन की समस्या से है परेशान

मौसम में बदलाव के साथ अब हल्की—हल्की ठंड की शुरुआत होने लगी है। यहां पर ठंड के साथ ही कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं भी शुरु होती है। अक्सर सर्दी के मौसम में होंठ और एड़ी फटने की समस्या सबसे ज्यादा देखने के लिए मिलती है। होंठ सबसे नाजुक परत माने जाते हैं। ये रूखे, फटे और कई बार इतने सूखे हो जाते हैं कि उनमें से खून तक निकलने लगता है। इस समस्या से बचने के लिए वैसे तो कई तरीके अपनाते है लेकिन फायदा नहीं होता है। आज हम आपको योग में शामिल कुछ आसान चेहरे की एक्सरसाइज के बारे में जानकारी दे रहे है जो फटे होंठ की समस्या और डबल चिन की समस्या से दूर रखते है।

योग और एक्सरसाइज के जरिए डबल चिन और फटे होंठ से पाएं निजात

यहां सर्दियों के मौसम में होठों को मुलायम और खूबसूरत बनाने के लिए योग में शामिल कुछ एक्सरसाइज कारगर हो सकती है। ठुड्डी के नीचे की चर्बी और गर्दन की ढीली त्वचा तब बनती है जब वहां की मांसपेशियों में खिंचाव नहीं होता। इसे डबल चिन बोलते हैं। अगर हम रोजाना कुछ मिनट इन हिस्सों की स्ट्रेचिंग और एक्सरसाइज करें, तो चेहरे की बनावट में निखार आ सकता है।

इन एक्सरसाइज को रोजाना करें

1— सूखे और फटे होंठों की समस्या से राहत पाने के लिए सबसे पहले, आप योगा मैट पर आराम से बैठ जाएं और अपने होंठों को सिकोड़ते हुए ऊपर की ओर नाक की दिशा में ले जाने की कोशिश करें। ये क्रिया जितनी सरल है, उतनी ही असरदार भी। इससे आपके होंठों में खिंचाव आता है और खून का प्रवाह बेहतर होता है।

2—आप अपने होंठों को हल्के से अंदर ले जाएं और मुंह को फुलाएं, जैसे कोई चीज मुंह में भरी हो। इस प्रक्रिया से न केवल होंठों की एक्सरसाइज होती है, बल्कि गाल और ठुड्डी की मांसपेशियों को भी सक्रियता मिलती है। रोजाना इसे 5—10 बार करें। इससे डबल चिन में फर्क नजर आने लगता है।

3— 'फिश फेस' एक्सरसाइज को भी काफी असरदार मानी जाती है। इसमें गालों को अंदर की ओर खींचना होता हैं, ताकि चेहरा मछली जैसा बन जाए।

मोदी का हनुमान क्षण : बाधाओं से भरी दुनिया में भारत की लंबी छलांग

हरदीप एस. पुरी

जब पूरे भारत में दीप जलते हैं, तो रामायण का एक अमर दृश्य आज के समय से संवाद करता है। हनुमान जी अपने बल पर संदेह करते हुए सागर के किनारे खड़े हैं, जब तक कि जाम्बवंत उन्हें यह याद नहीं दिलाते कि वह ताकत तो पहले से ही उनके भीतर है। उसके बाद जो छलांग लगती है, वह कोई चमत्कार नहीं बल्कि आत्मविश्वास का परिणाम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यही आत्मविश्वास भारत की अर्थव्यवस्था में जगाने की तैयारी कर रहे हैं, ताकि भारत अपनी भीतरी शक्ति के सहारे वैश्विक चुनौतियों को पार कर सके। जैसे—जैसे दुनिया नई वीजा बाधाओं और शुल्कों के साथ सिमट रही है, तब मोदी के नेतृत्व में भारत अपने आत्मविश्वास को दुनिया के सामने ला रहा है। भारत विपरीत परिस्थितियों को आगे बढ़ने की ताकत में बदल रहा है।हाल के महीनों में, अमेरिका ने नए एच—1बी वीज़ा आवेदनों पर 1,00,000 डॉलर की फ़ीस और ब्रांडेड व पेटेंट वाली दवाओं के आयात पर 100% शुल्क लगाया है। इन कदमों को रोज़गार सुरक्षा के नाम पर लिया गया बताया गया, लेकिन इसके पीछे एक गहरी चिंता छिपी है। यह है विकसित देशों में बढ़ता संरक्षणवाद और जनसंख्या से जुड़ी असुरक्षा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने इसका जवाब तीन ऐसे स्तंभों को मज़बूत बनाकर दिया है, जिन्हें कोई भी शुल्क प्रभावित नहीं कर सकता— पैमाना (स्केल), कौशल (स्किल) और आत्मनिर्भरता (सेल्फ रिलायंस)।

दुनिया से भारत का अंतर बहुत साफ दिखाई देता है। चीन की आबादी तेज़ी से बूढ़ी हो रही है। वहां की औसत आयु अब 40 साल से ज़्यादा हो गई है, जबकि भारत में यह 29 साल से कम है। हमारे दो—तिहाई लोग 35 साल से कम उम्र के हैं। इस युवा ऊर्जा को जब कौशल, शिक्षा और उद्यमिता के ज़रिए सही दिशा दी जाती है तो वो भारत को विश्व अर्थव्यवस्था का विकास इंजन बनाती है। जब वैश्विक संस्थाएं बताती हैं कि पिछले साल दुनिया की कुल आर्थिक वृद्धि में भारत का योगदान 16% से ज़्यादा था, तो यह कोई नारा नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले एक दशक के सुधार, निवेश और बुनियादी ढांचे के निर्माण का परिणाम है।

हाल के आंकड़े इस रफ्तार को और पुख्ता करते हैं। भारतीय रिज़र्व बैंक ने वित्त वर्ष 2026 के लिए भारत की जीडीपी अनुमान को बढ़ाकर 6.8% किया है। इसके पीछे कारण बताए गए हैं— मज़बूत घरेलू मांग, स्थिर निवेश प्रवाह और अच्छे मानसून की उम्मीद। सितंबर में जीएसटी संग्रह 1.89 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह लगातार नौवां महीना है जब संग्रह 1.8 लाख करोड़ रु. से ज़्यादा रहा। यह दर्शाता है कि देश में खपत बढ़ रही है और टैक्स का दायरा भी फैल रहा है।विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो लगभग 11 महीनों के आयात को कवर करने के लिए पर्याप्त है। वहीं जून तिमाही में विदेशी धन प्रेषण 33.2 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल की तुलना में काफी अधिक है। मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 57.7 और सर्विस सेक्टर पीएमआई 60.9 पर स्थिर रहा, जो यह फिर साबित करता है कि भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है।यह सकारात्मक रुझान बाज़ारों और सड़कों दोनों पर दिखाई दे रहा है। इस दशहरा सीज़न में खुदरा और ई—कॉमर्स बिक्री अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई। उद्योग संगठनों जैसे कैट और रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अनुसार बिक्री 3.7 लाख करोड़ रुपये को पार कर गई, जो पिछले साल से लगभग 15% ज़्यादा है। सिर्फ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर ही त्योहारों के पहले पंद्रह दिनों में 90,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा का कारोबार हुआ। सबसे ज़्यादा मांग ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, सोना और कपड़ों में देखी गई। अब उम्मीद है कि दीवाली इस बार सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ देगी, जो न केवल उपभोक्ता विश्वास को दिखाता है, बल्कि सरकार के औपचारिक ऋण, डिजिटल भुगतान और ग्रामीण क्रय शक्ति बढ़ाने के लगातार प्रयासों की सफलता को भी दर्शाता है।

विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो लगभग 11 महीनों के आयात को कवर करने के लिए पर्याप्त है। वहीं जून तिमाही में विदेशी धन प्रेषण 33.2 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल की तुलना में काफी अधिक है। मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 57.7 और सर्विस सेक्टर पीएमआई 60.9 पर स्थिर रहा, जो यह फिर साबित करता है कि भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है। यह सकारात्मक रुझान बाज़ारों और सड़कों दोनों पर दिखाई दे रहा है। इस दशहरा सीज़न में खुदरा और ई—कॉमर्स बिक्री अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई। उद्योग संगठनों जैसे कैट और रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अनुसार बिक्री 3.7 लाख करोड़ रुपये को पार कर गई, जो पिछले साल से लगभग 15% ज़्यादा है। सिर्फ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर ही त्योहारों के पहले पंद्रह दिनों में 90,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा का कारोबार हुआ। सबसे ज़्यादा मांग ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, सोना और कपड़ों में देखी गई।

भारत की आर्थिक नींव अब मज़बूत हो चुकी है। पिछले दस वर्षों में भारत की जीडीपी लगभग दोगुनी हो गई है और अब वह दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुकी है। जल्द ही जर्मनी को पीछे छोड़ने की उम्मीद है। विदेशी मुद्रा भंडार 600 अरब डॉलर से अधिक है। मुद्रास्फीति नियंत्रित है, और वित्तीय अनुशासन के साथ सरकार ने रिकॉर्ड सार्वजनिक पूंजीगत निवेश किया है। वित्त वर्ष 2024—25 में, भारत का वस्तुओं और सेवाओं का समग्र निर्यात लगभग 825 बिलियन अमरीकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जबकि अकेले व्यापारिक निर्यात लगभग 437 बिलियन अमरीकी डॉलर था। भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता अब 220 गीगावॉट से अधिक हो गई है।ये आंकड़े एक ही कहानी कहते हैं— एक ऐसे देश की, जो कभी नाज़ुक था, और अब एक मजबूत राष्ट्र बन गया है। ऐसे नेतृत्व में, जो दूरदृष्टि और क्रियान्वयन दोनों को साथ लेकर चलता है। यह दुखद सच्चाई है कि प्रधानमंत्री मोदी की आत्मनिर्भर भारत की सोच को कुछ लोग राजनीतिक लाभ के लिए गलत तरीके से पेश कर रहे हैं। वे अब भी इसे बीसवीं सदी की पुरानी सोच से देख रहे हैं।आत्मनिर्भरता का मतलब अलग—थलग रहना नहीं है। आत्मनिर्भर भारत का असली अर्थ है— अपनी शक्ति को दुनिया के सामने प्रस्तुत करना। यह वह ताकत है जो भारत को बराबरी के आधार पर वैश्विक स्तर पर भागीदारी करने की क्षमता देती है।

इसका उद्देश्य है— भारत में बनाना, लेकिन दुनिया के लिए अवसरों को विकेन्द्रित करना, ताकि मूल्य उन तक पहुंचे जो उसे बनाते हैं और वैश्विक बाज़ारों में समान शर्तों पर प्रतिस्पर्धा करना। मोबाइल फ़ोन, रक्षा उपकरण, चिकित्सा यंत्रों से लेकर सौर मॉड्यूल तक— उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं ने भारत में निवेश, रोज़गार और निर्यात तीनों को तेज़ी से बढ़ावा दिया है।50, 000 करोड़ की लागत से अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन, हमारे अनुसंधान और विकास तंत्र को नई ऊर्जा देने वाला कदम है। स्टार्टअप्स के लिए दूसरा फंड—ऑफ—फंड्स और पीएलआई योजनाओं का विस्तार भारत की तकनीकी नींव को और गहरा बनाएगा। यही है रणनीतिक स्वतंत्रता के रूप में आत्मनिर्भर भारत, जो आत्मविश्वास पर आधारित नीतियों के ज़रिए साकार और वैश्विक साझेदारियों के माध्यम से और भी मजबूत बनता है। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में भारत ने दुनिया का सबसे समावेशी डिजिटल सार्वजनिक ढांचा तैयार किया है। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस अब वीज़ा की तुलना में अधिक दैनिक लेनदेन को संभालता है, जो प्रतिदिन 650 मिलियन से अधिक है। आधार, डिजिलॉकर और ओएनडीसी मिलकर एक ऐसा इकोसिस्टम बनाते हैं जो बड़े पैमाने पर नागरिकों, छोटे व्यवसायों और नवप्रवर्तकों को जोड़ता है। सिंगापुर, यूएई और अन्य के साथ यूपीआई की वैश्विक साझेदारियां दर्शाती हैं कि भारतीय नवाचार वैश्विक मानक स्थापित कर सकता है। यह है— तकनीक के रूप में शासन , सशक्तिकरण और निर्यात। इस पूरी कहानी के केंद्र में लोग ही हैं। हमारा प्रवासी भारतीय समुदाय, जो 3.2 करोड़ से अधिक है, दुनिया के सबसे सफल और सम्मानित समुदायों में से एक है। आज फार्च्यून 500 की 11 कंपनियां ऐसे भारतीय मूल के सीईओ के नेतृत्व में हैं, जिनका संयुक्त मार्केट कैपिटलाइजेशन 6 ट्रिलियन डॉलर से भी ज़्यादा है। उनकी यात्रा नए भारत की आकांक्षाओं को दर्शाती है— कुशल, आत्मविश्वासी और समाधान केंद्रित। साल 2024 में 135 अरब डॉलर की रक़म के रूप में आए धन प्रेषण सिफ़ 'आर्थिक प्रवाह नहीं हैं। वे भारत पर विश्वास का प्रतीक हैं। जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कई बार कहा है— विदेश में रहने वाला भारतीय सिर्फ प्रवासी नहीं, बल्कि भारत के मूल्यों और उद्यमशीलता का दूत है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व ने इस फैली हुई वैश्विक ऊर्जा को घरेलू आधार प्रदान किया है। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और स्किल इंडिया केवल अलग—अलग पहल नहीं हैं। ये एक जुड़ी हुई मूल्य श्रृंखला हैं: अवसर पहचानना, उद्यमिता को सक्षम बनाना, और प्रतिभा को तैयार करना। अगला कदम है— एक व्यापक वैश्विक कौशल मिशन, जो इन पहलों को एक ही ढांचे में एकजुट करेगा। इसमें शामिल होंगे: मानकीकृत पाठ्यक्रम, जो अंतरराष्ट्रीय प्रमाणपत्रों से मेल खाते हों, कर्मचारियों के लिए प्रस्थान पूर्व प्रशिक्षण, भाषा और सांस्कृतिक प्रशिक्षण, और पोर्टेबल सामाजिक सुरक्षा समझौते। ये सभी उपाय भारतीय कामगार को दुनिया भर में पसंदीदा पेशेवर बनाएंगे। यह एजेंडा पहले ही प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीति के तहत बनाए गए कई जी2जी साझेदारियों के माध्यम से लागू हो रहा है।

इसलिए हनुमान की छलांग का प्रतीकात्मक महत्व उपयुक्त है। यह कोई विरोध का कार्य नहीं था, बल्कि कर्तव्य का निर्वाह था, जो आत्म—साक्षात्कार के माध्यम से संभव हुआ। प्रधानमंत्री मोदी की शासन दर्शन भी इसी विश्वास पर आधारित है कि भारत की नियति अपने लोगों की संकल्पशक्ति और संभावनाओं को जागृत करने में निहित है। इन्फ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल रूपांतरण, हरित ऊर्जा और वैश्विक साझेदारियां इस जागृति के साधन हैं। जहाँ दूसरे दीवारें बनाते हैं, भारत क्षमता का निर्माण करता है।जहाँ दूसरे व्यापार को सीमित करते हैं, भारत अवसर बढ़ाता है। जहां दूसरे भविष्य से डरते हैं, भारत उसकी तैयारी करता है ।हनुमान की छलांग स्मृति की पुनर्प्राप्ति थी।प्रधानमंत्री मोदी का प्रयास यही रहा है कि भारत की क्षमता की राष्ट्रीय स्मृति को फिर से जागृत किया जाए। जब दूसरे दीवारें खड़ी करते हैं, तो भारत क्षमता का निर्माण करता है। जहां दूसरे अवसर सीमित करते हैं, भारत उन्हें बढ़ाता है। यही तरीका है जिससे सभ्यता में निहित आत्मविश्वास आधुनिक प्रतिस्पर्धात्मक ताकत में बदल जाता है। जैसे—जैसे हम दिवाली के करीब आ रहे हैं, यह याद रखना ज़रूरी है कि हनुमान की छलांग ने समुद्र को छोटा नहीं किया, बल्कि उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया। दुनिया नई बाधाएं खड़ी कर सकती है, लेकिन भारत के पास आज ऊंचा उठने के लिए नेतृत्व, लचीलापन और उद्देश्य है। प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण के मार्गदर्शन में, यह ऐसा देश है, जो किनारे पर नहीं रुकेगा। यह अपनी ताकत को याद रखता है और आगे छलांग लगाता है।

थोपे गए सन्नाटे का नाम शांति

श्रुति व्यास

शांति, शांति तब तक ही रहती है जब तक वह स्वीकार्य है। जैसे ही सत्ता भारी पड़ने लगती है—प्रभावशाली, स्वार्थी और आत्ममुग्ध—शांति दरकने लगती है, टूटने लगती है। बेशक, शुरुआत के लिए यह एक उदास वाक्य है, लेकिन मौजूदा समय की सच्चाई यही है।पश्चिम एशिया में जो शांति आई है, वह दो वर्षों की लगातार बमबारी के बाद आई है, ऐसे वर्ष जिन्होंने एक पीढ़ी को मिटा दिया और दूसरी को अपंग बना दिया। क्योंकि यह शांति भी पहली बार नहीं आई। कई बार पहले भी आई है, युद्धविराम के वस्त्रों में, कूटनीतिक भाषा में सजी—संवरी, और हर बार बिखर गई। इसलिए यह नई शांति आरंभ से ज़्यादा मरीचिका लगती है, एक क्षितिज जिसे हम लगातार नापते हैं, पर पहुँच नहीं पाते। और सच्चाई यह है कि यह शांति बनाई नहीं गई, मनवाई गई है—अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राजनीतिक दबाव और धमकियों से। यह मेल—मिलाप नहीं, प्रबंध—जुगाड़ है। एक शांति जो गले नहीं लगाई गई, थोप दी गई।इस पल को समझने का एक ही तरीका है—यथार्थवाद के सिद्धांत से, वही सिद्धांत जो आज की जनलुभावन और वैचारिक रूप से खोखली दुनिया को अभी भी समझा सकता है। यथार्थवादी हमेशा कहते आए हैं—युद्ध के बाद की शांति नैतिक नहीं होती, रणनीतिक होती है।शांति वहीं टिकती है जहाँ शक्ति संतुलित रहती है; जहाँ कोई पक्ष इतना ताक़तवर नहीं कि दूसरे को कुचल दे। युद्ध मेल—मिलाप से नहीं, थकावट से खत्म होते हैं। इस दृष्टि से, शांति एक ठहराव है, समाधान नहीं—नकारात्मक शांति, यानी बस खुले युद्ध का अभाव। शीतयुद्ध की शांति भी यही थी—अमेरिका और सोवियत संघ के बीच संतुलित भय का संतुलन। दुनिया शांत दिखती थी, पर सुरक्षित नहीं थी। उसी तर्क से देखें तो ट्रंप की यह शांति पूरी तरह फिट बैठती है, थकावट की उपज, समझ की नहीं; दबाव की देन, संवाद की नहीं। यह स्थिरता नहीं, सन्नाटा सुरक्षित करती है। और फिर आता है दृश्य का यथार्थवाद, जहाँ शांति अब विचार नहीं, प्रदर्शन है। इतिहास जब इस दौर को पढ़ेगा, तो पाएगा कि यह यथार्थवाद का नया संस्करण था— जो आदर्श या शक्ति पर नहीं, बल्कि ऑप्टिक्स पर टिका था। एक ऐसी कूटनीति जो लिए बनाई गई।पश्चिम एशिया ने पहले भी कई बार ऐसी भोरें देखी हैं। हर दशक अपनी नई सुबह लेकर आता है, पहले उसका उत्सव होता है, फिर विश्वासघात। 1978 के कैंप डेविड समझौते को ऐतिहासिक सफलता कहा गया था— अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक ही मेज़ पर मिस्त्र और इज़राइल के नेताओं को बैठाया था। अनवर सादात और मेनाखेम बेगिन ने हाथ मिलाया, नोबेल शांति पुरस्कार जीता, और सादात ने कुछ ही साल बाद जान गंवाई। मिस्त्र को अमेरिकी सहायता और कूटनीतिक प्रतिष्ठा मिली, पर अरब जगत में अपना स्थान खो दिया। पंद्रह साल बाद आए ओस्लो समझौते—व्हाइट हाउस के लॉन पर, कैमरों की रोशनी में, यित्ज़ाक राबिन और यासिर अराफ़ात मुस्कुराते हुए, बीच में बिल क्लिंटन इतिहास के गवाह बनकर। तालियाँ बजीं, नोबेल पुरस्कार फिर मिला, लेकिन शांति टिक नहीं पाई। राबिन की हत्या हुई, ओस्लो दूसरी इंतिफ़ादा में बदल गया, और दुनिया ने एक बार फिर सीखा कि हस्ताक्षर गोलियों से नहीं बचते। पश्चिम एशिया में शांति अक्सर स्थायित्व से पहले पुरस्कार जीतती है।हर युद्धविराम एक नाटक की तरह शुरू होता है—उदात्त, प्रसारित, पर अल्पकालिक। इसीलिए आज की नई शांति भी इतिहास बनेगी नहीं—बस इतिहास दोहराएगी, एक और झिलमिलाता क्षितिज, जिसे छूना असंभव है।और इस बार भी सब कुछ उसी पैटर्न पर है—सिफ़ 'एक नए युग की रोशनी में, जहाँ दृश्य ही संदेश है। डोनाल्ड ट्रंप के लिए तो यह सब एक अभियान है—नोबेल पुरस्कार की ओर उनका आत्मघोषित मार्च। उन्होंने राजनीतिक और आर्थिक भाषा में स्पष्ट कर दिया था कि इज़राइल का युद्ध बहुत लंबा चल चुका है। हमास से उनका संदेश और कठोर था—संधि मानो, नहीं तो सामना करो । यह कूटनीति नहीं, अल्टीमेटम थी। 13 अक्टूबर को राष्ट्रपति ट्रंप इज़राइल पहुँचे, ठीक उसी समय जब ग़ाज़ा से अंतिम बंधक छोड़े जा रहे थे। टाइमिंग इतनी सटीक थी कि स्वाभाविक नहीं लगती। कनेस्सेट में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उनका स्वागत किया, और ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ़ तथा दामाद जैरेड कुशनर के लिए तालियाँ गूँज उठीं। दर्शक भी तयशुदा भूमिका में थे, लाल टोपी पहने, जिन पर लिखा था: स्पीकर ने घोषणा की, अगले साल के नोबेल के सबसे योग्य उम्मीदवार।

मौनी रॉय का अनस्टॉपेबल 2025 जारी: एक्ट्रेस ने अपनी नई ओटीटी रिलीज़ की शूटिंग शुरू की

2025 के शानदार सफ़र के बाद, मौनी रॉय ने कोई समय ज़ाया नहीं किया है। हाल ही में मिलान फैशन वीक में अपने लुक्स से दुनिया को दीवाना बनाने के बाद, एक्ट्रेस ने अब अपने अगले प्रोजेक्ट – एक ह्नझ्ञ वेंचर – की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसकी शूटिंग मुंबई और पंजाब में होगी। मौनी ने सोशल मीडिया पर अपने स्क्रिप्ट की एक धुंधली तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, और अगले प्रोजेक्ट की ओर... प्यार और आशीर्वाद, प्लीज़ एक्स, और यह देख कर प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। पिछले साल मौनी ने कई प्लेटफॉर्म्स और फॉर्मैट्स में अपनी शानदार परफॉर्मेंस से साबित किया कि वे किसी भी रोल में जान डाल सकती हैं। अब वे बिना किसी ब्रेक के एक प्रोजेक्ट से दूसरे प्रोजेक्ट पर तेज़ी से कदम रख रही हैं। उनकी एनर्जी और समर्पण ने उन्हें इंडस्ट्री की सबसे ज़्यादा पसंद की जाने वाली प्रतिभाओं में से एक बना दिया है। 2025 मौनी रॉय के लिए बेहद शानदार साल रहा है। उन्होंने 'द भूतोनीझ् और 'सलाकारझ् जैसी फिल्मों में दमदार अभिनय कर दर्शकों का मन मोह लिया और एक बार फिर एक अभिनेत्री के रूप में अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया। स्क्रीन के अलावा, उन्होंने मिलान फ़ैशन वीक में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और एक ग्लोबल फ़ैशन आईटी गर्ल के रूप में अपनी पहचान बनाई। उनकी आने वाली फ़िल्मों का लाइनअप भी उतनी ही प्रभावशाली हैं – वह जल्द ही कॉन्टिलो पिक्चर्स की फ़िल्म 'महायोद्धा राम 3ष्ठझ् में माँ सीता को अपनी आवाज़ देंगी, मधुर भंडारकर के साथ 'द वाइव्सझ् में फिर से नज़र आएंगी, और वरुण धवन के साथ 'है जवानी तो इश्क होना है में स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी।

भूल भुलैया के 18 साल पूरे, टी—सीरीज ने ताजा की यादें

अक्षय कुमार स्टारर कॉमेडी—हॉरर फिल्म च्भूल भुलैया को 18 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर टी—सीरीज ने पोस्ट कर फिल्म की पुरानी यादों को ताजा किया। टी—सीरीज ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म के यादगार सीन पोस्ट किए, जिसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, मंजुलिका के 18 साल! इस फिल्म ने हॉरर को हंसी—मजाक के साथ पेश कर दर्शकों का दिल जीता। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी यह फिल्म 2007 में रिलीज हुई थी और आज भी दर्शकों की पसंदीदा है।

च्भूल भुलैयाज् में अक्षय कुमार, विद्या बालन, शाइनी आहूजा और अमीषा पटेल मुख्य भूमिकाओं में थे। वहीं, परेश रावल, राजपाल यादव, मनोज जोशी, असरानी और विक्रम गोखले जैसे सितारों ने सहायक भूमिकाएं निभाईं। फिल्म का संगीत प्रीतम और रंजीत बारोट ने तैयार किया था, जबकि गीत समीर और सईद कादरी ने लिखे थे। भूषण कुमार और किशन कुमार ने इसे प्रोड्यूस किया था। इस फिल्म ने हॉरर और कॉमेडी के अनूठे मिश्रण से दर्शकों को खूब हंसाया और डराया था।

च्भूल भुलैयाज् की कहानी, इसके किरदार और गाने आज भी लोगों के बीच चर्चा में रहते हैं।

कुब्रा सैत ने जीता दर्शकों का दिल: एक्ट्रेस ने साबित किया कि ईमानदारी

2025 वाकई कुब्रा सैत के लिए एक यादगार साल साबित हुआ है। शाहिद कपूर की देवा में अहम भूमिका निभाने के बाद, अजय देवगन की सन ऑफ सरदार 2* में अपने मस्तीभरे और एनर्जेटिक अंदाज से दर्शकों को एंटरटेन करने वाली कुब्रा ने इस साल रियलिटी शो राइज़ एंड फॉल में भी शानदार डेब्यू किया। शो में उनकी एंट्री ने सबका ध्यान खींच लिया। उनकी ईमानदारी, चार्म और आत्मविश्वास ने उन्हें सीज़न की सबसे एंटरटेनिंग और निडर पर्सनैलिटीज़ में से एक बना दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने काजोल के साथ द ट्रायल: सीज़न 2 में स्क्रीन शेयर की, जिससे उन्होंने एक बार फिर ये साबित कर दिया कि वो ड्रामा, ह्यूमर और रियलिज़्म के बीच बखूबी संतुलन बना सकती हैं। वाकई, 2025 कुब्रा के करियर का सुनहरा साल रहा है। हाल ही में कुब्रा सैत ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक । एंड आंसर सेशन रखा।

अगर मोहम्मद शमी फिट होते तो वह टीम में होते'

नई दिल्ली। मोहम्मद शमी ने हाल ही में भारतीय क्रिकेट टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे से उन्हें बाहर रखने के लिए बीसीसीआई चयनकर्ताओं पर निशाना साधा था। अब बीसीसीआई के चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने इसका जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि शमी बेहतरीन गेंदबाज हैं और भारत के लिए कई यादगार प्रदर्शन किया है। शुक्रवार को एनडीटीवी वर्ल्ड समिट 2025 में बोलते हुए अजीत अगरकर ने शमी को जवाब दिया। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज ने कहा था कि रणजी ट्रॉफी में बंगाल के लिए उनकी उपलब्धता साबित करती है कि वह फिट हैं और चयन पैनल को इस बारे में अपडेट करना उनका काम नहीं है।

चोटों से जुझ रहे हैं शमी

शमी टखने और घुटने की चोटों से जूझ रहे हैं, जिसके लिए 2023 वर्ल्ड कप के बाद सर्जरी करवाई थी। शमी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए अगरकर ने कहा कि अगर वह फिट होते तो वह टीम में होते।

अगरकर ने कहा, अगर वह मुझसे ऐसा कहते हैं, तो मैं शायद इसका जवाब दूंगा। मेरा मतलब है कि अगर वह यहां होते तो मैं शायद ऐसा करता। मुझे पूरा यकीन नहीं है कि उन्होंने सोशल मीडिया पर क्या कहा। अगर मैं यह पढ़ूं तो शायद मैं उन्हें फोन करूं, लेकिन मेरा फोन ज्यादातर खिलाड़ियों के लिए हमेशा चालू रहता है।

'आगे देखेंगे कि क्या होगा'

उन्होंने आगे कहा, उन्होंने भारत के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। अगर उन्होंने कुछ कहा होता, तो शायद मैं उनसे या उन्हें मुझसे बात कर सकता था। लेकिन इंग्लैंड दौरे से पहले भी हमने कहा था कि अगर वह फिट होते तो वह टीम में होते। दुर्भाग्य से, वह नहीं थे। हमारा घरेलू सीजन अभी शुरू हुआ है इसलिए हम देखेंगे कि वह पूरी तरह से फिट हैं या नहीं और फिर आगे क्या होता है।

19 अक्टूबर को पहला वनडे

गौरतलब हो कि आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के लिए खेला था और वरुण चक्रवर्ती के साथ देश के शीर्ष विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। बता दें कि भारत 19 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया में तीन वनडे और पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलने के लिए तैयार है। इस सीरीज में अनुभवी खिलाड़ी रोहित शर्मा और विराट कोहली राष्ट्रीय टीम में वापसी करेंगे। मार्च में 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल के बाद यह दोनों का पहला अंतरराष्ट्रीय मैच होगा।

अगरकर ने कोहली और रोहित के भविष्य को लेकर दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली। भारतीय मेंस टीम के चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने पुष्टि की है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज में ट्रायल पर नहीं हैं। अगरकर ने कहा कि ये तीन मैच 2027 वर्ल्ड कप के लिए उनकी संभावनाओं का निर्धारण नहीं करेंगे।

उन्होंने कहा कि एक मैच या सीरीज के आधार पर इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए उनकी संभावनाओं का आकलन करना मूर्खतापूर्ण होगा। क्योंकि उनके रिकॉर्ड बेहद शानदार हैं, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि उनकी जगह कोई नहीं ले सकता।

'कुछ और युवा खिलाड़ी भी हो...'

अगरकर ने एनडीटीवी से कहा, वे ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम का हिस्सा हैं। वे लंबे समय से बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं। यह किसी एक खिलाड़ी पर जोर देने का मंच नहीं है। आपको टीम पर और टीम क्या हासिल करना चाहती है, उस पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। दो साल बाद, हमें नहीं पता कि स्थिति क्या होगी। तो सिर्फ वे दोनों ही क्यों? कुछ और युवा खिलाड़ी भी हो सकते हैं।

'वे ट्रायल पर नहीं'

अगरकर ने आगे कहा, वे ट्रायल पर नहीं हैं। उन्होंने वो सब हासिल कर लिया है जो उन्हें हासिल करना था। सिर्फ ट्रॉफी के मामले में ही नहीं, बल्कि रनों के मामले में भी। ऐसा नहीं है कि अगर वे दोनों इस सीरीज में रन नहीं बनाते हैं, तो वे टीम में नहीं होंगे, या अगर वे तीन शतक बना लेते हैं तो वे 2027 में खेलने की वजह से नहीं होंगे। अभी भी बहुत दूर है। देखते हैं कि यह सब कैसे आकार लेता है।

संन्यास की चर्चा

बता दें कि कोहली और रोहित अब केवल वनडे खेलते हैं। वनडे वर्ल्ड कप 2027 तक रोहित 40 और कोहली 39 साल हो चुके होंगे। दोनों के भविष्य पर बात चल रही है। कहा जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया सीरीज के रोहित और विराट वनडे से भी संन्यास ले लेंगे।

संक्षिप्त समाचार

सड़क पर डाल रहे निर्माण सामग्री, लोग परेशान

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम क्षेत्र में सड़कों के किनारे निर्माण सामग्री डाले जाने से लोगों को आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नगर निगम की ओर से भी लोगों से सड़कों में निर्माण सामग्री न डाले जाने की अपील की जाती है, लेकिन लोग नहीं मान रहे हैं। नगर निगम क्षेत्र के कंसमर्दिनी मार्ग पर कान्वेंट स्कूल के सामने शुक्रवार को मकान बनाने के लिए रखी गई कंक्रीट पूरी सड़क पर फैली रही। इसके कारण स्कूल के बच्चों व अभिभावकों सहित अन्य लोगों को आवाजाही में दिक्कतें हुई। लोगों ने बताया कि दुपहिया वाहन चालक इन कंक्रीट के कारण चोटिल भी हुई। स्थानीय लोगों ने इस तरह निर्माण सामग्री सड़कों पर फेंकने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। नगर निगम के स्वास्थ्य निरीक्षक शशि पंवार ने कहा कि सड़कों पर निर्माण सामग्री डालने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। (एजेंसी)

लॉपिंग के नाम पर पेड़ों को काटने का आरोप

श्रीनगर गढ़वाल : नगर पालिका क्षेत्र के सौंड़ वार्ड निवासी सुधीर टोडरिया ने विद्युत विभाग पर लॉपिंग के नाम पर पेड़ों को जड़ से काटने का आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायत में टोडरिया ने कहा कि विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने विद्युत लाइन के आसपास लॉपिंग के नाम पर उनके खेतों में मौजूद हरे पेड़ों को बिना उनकी सहमति से गुपचुप तरीके से काट दिए। इस संबंध में जब मुख्यमंत्री हेल्पलाइन और यूपीसीएल के डीजीएम से शिकायत की गई, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है। बताया कि जिन पेड़ों की वर्षों से देखभाल की गई, उन्हें बिना अनुमति के काटा गया है। (एजेंसी)

सौ मीटर दौड़ में मोनिका, आंचल और आरुषि ने मारी बाजी

श्रीनगर गढ़वाल : खिर्सू ब्लॉक की शीतकालीन खेल प्रतियोगिता शुक्रवार को एनआईटी के खेल मैदान में आयोजित हुई। प्रतियोगिता में विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों के 150 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि जयकृत सिंह भंडारी ने किया। इसके बाद आयोजित अंडर-14 बालिका वर्ग की सौ मीटर दौड़ में आरुषि प्रथम, सोनाक्षी द्वितीय व निहारिका तृतीय रही। अंडर-17 में आंचल ने पहला, रिया रावत ने दूसरा व अक्षिता ने तीसरा स्थान पाया। अंडर-19 में मोनिका गिरी पहले, कंचन दूसरे और स्नेहा तीसरे स्थान पर रही। गोला फेंक प्रतियोगिता के बालक वर्ग के अंडर 14 में गौतम व बालिका वर्ग में आईशा प्रथम रहे।

अंडर-17 में सुमित कंडारी व प्रिया ने बाजी मारी। अंडर-19 में ऋषभ सिंह और सलोनी ने पहला स्थान हासिल किया। चक्का फेंक के विभिन्न आयु वर्गों में मयंक, दिव्यांशी, सुमित कंडारी और प्रियंका भंडारी ने बाजी मारी। इस मौके पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी उदयराम भट्ट, दलबीर सिंह शाह, मुकेश कुमार, दुर्गेश बर्त्वाल, मनीष कोटियाल, रामेश्वर रावत, विवेक कपरवाण, चंद्रमोहन रावत, केशर कोटियाल, पूनम जैन, संध्या गोस्वामी और लक्ष्मी रावत आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

23 विद्यार्थियों को शिक्षा विभाग में मिली नियुक्ति

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के बिड़ला परिसर स्थित शारीरिक शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों ने एक बार फिर सफलता का परचम लहराया है। विभाग से स्नातक किए 23 विद्यार्थियों का चयन उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से व्यायाम अध्यापक (एलटी) के पद पर हुआ है। चयनित विद्यार्थियों को नियुक्ति पत्र प्राप्त हुए हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. मुकुल पंत ने बताया कि शारीरिक शिक्षा विभाग से हर वर्ष बड़ी संख्या में विद्यार्थी उत्तराखंड शासन के स्कूली शिक्षा विभाग में व्यायाम शिक्षक के रूप में चयनित होते हैं। इस वर्ष भी विभाग ने उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए हैं। संकायाध्यक्ष प्रो. सुनीता गोदियाल ने सभी चयनित विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। वहीं अधिष्ठाता छात्र-कल्याण प्रो. ओपी गुसाईं ने कहा कि यहां के विद्यार्थी निरंतर शिक्षा जगत में अपनी पहचान बना रहे हैं। (एजेंसी)

धनतेरस को सजा बाजार, ग्राहकों को लुभा रहे ऑफर

दीपावली से पूर्व धनतेरस को लेकर तैयार हुआ कोटद्वार बाजार

धनतेरस को लेकर सजा कोटद्वार बाजार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : धनतेरस की तैयारियों को लेकर गढ़वाल का प्रवेश द्वार कोटद्वार का बाजार पूरी तरह सज चुका है। ग्रामीणों को लुभाने के लिए व्यापारियों की ओर से सामान में विशेष ऑफर दिए जा रहे हैं। खरीददारी को लेकर लोगों में काफी उत्साह बना हुआ है। रंग-बिरंगी लाइट व इलेक्ट्रानिक झालर भी ग्राहकों को खूब पसंद आ रही है। वहीं, ज्वैलर्स की दुकानें भी धनतेरस को लेकर तैयार हो चुकी हैं।

दीपावली पर्व से पूर्व धनतेरस मनाया जाता है। इस दिन बड़ी संख्या में लोग खरीददारी करने के लिए बाजार पहुंचते हैं। नजीबाबाद चौक से झंडाचौक, झंडाचौक से बदरीनाथ मार्ग व रेलवे स्टेशन पर सड़क किनारे दुकानें सज गई हैं। त्योहार में सड़क किनारे फड़ लगाने को जगह घेरने के लिए दुकानदारों में होड़ लगी हुई थी। धनतेरस पर लोग बर्तनों के साथ ही सोने, चांदी के सिक्के की खरीदारी करते हैं। ऐसे में ग्राहकों की मांग को देखते हुए बाजार धनतेरस के रंग में पूरी तरह रंग चुका है। बाजार में अलग-अलग वैरायटी के बर्तन का स्टाक आया हुआ है। साथ ही ज्वेलरी की चमक व सिक्कों की खनक भी बाजार में खूब सुनाई दे रही है। कपड़ों पर भी आकर्षक आफर दिया जा रहा है। कई व्यापारी अधिक सामान खरीदने पर ग्राहकों को उपहार भी दे रहे हैं। दीपावली के उत्साह को देखते हुए व्यापारियों को इस वर्ष भी बेहतर व्यापार की उम्मीद है। व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठानों को फूल मालाओं व विद्युत झालरों से मनमोहक तरीके से सजाया हुआ है। पूरे बाजार में त्योहार का उत्साह देखने को मिल रहा है।

वीर चंद्र सिंह गढ़वाली सदन रहा अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : यूनिकस अकादमी में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दौरान वाद-विवाद प्रतियोगिता में वीर चंद्र सिंह गढ़वाली सदन के रूद्र प्रताप सिंह अव्वल स्थान पर रहा। अकादमी में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। अकादमी के निदेशक अभय सिंह ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों को कई नई जानकारियां मिलती हैं। इस दौरान वाद-विवाद प्रतियोगिता में जसवंत सिंह रावत सदन की काव्या कुकरेती, वीर बाला तीलू रौतेली सदन की काव्या नेगी, गौरा देवी सदन के श्रेयान व वीर चंद्र सिंह गढ़वाली सदन के रूद्र प्रताप सिंह ने प्रतिभाग किया। कड़े मुकाबले के बाद वीर चंद्र सिंह गढ़वाली सदन के रूद्र प्रताप सिंह विजयी रहे। विद्यार्थियों ने संवाद कौशल का प्रदर्शन कर लोगों को मंत्रमुध कर दिया। रंगोली प्रतियोगिता में वीर चंद्र सिंह गढ़वाली सदन ने रचनात्मक व पारंपरिक रंगोली के डिजाइन बनाए। दीपावली को लेकर हुई प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए विद्यार्थियों में उत्साह बना हुआ था। शैलशिल्पी विकास संगठन की ओर से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व पौड़ी क्रांति के महानायक कर्मवीर जयानंद भारती की 145वीं जयंती मनाई गई। इस दौरान सदस्यों ने समाज हित में जयानंद भारती के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

जनसमस्याओं को लेकर जारी रहेगा कांग्रेस का हस्ताक्षर अभियान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर में व्याप्त समस्याओं को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी का हस्ताक्षर अभियान जारी रहेगा। इसके लिए कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को विशेष जिम्मेदारी दी गई है। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी ने लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण को लेकर चल रहे आंदोलन को भी अपना समर्थन दिया।

मालवीय उद्यान स्थित जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि पूरे देश में वोट चोरी के लिए खिलाफ कांग्रेस पार्टी अभियान चला रही है। प्रदेश कांग्रेस, सैनिक प्रकोष्ठ, जिला कांग्रेस इस अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। कहा कि सैनिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रामरतन सिंह नेगी के नेतृत्व में अग्निवीर के खिलाफ लगातार हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। अग्निवीर योजना लागू कर सरकार ने युवाओं के सपनों के साथ खिलवाड़ किया है। जबकि, सेना में भर्ती पहाड़ के युवाओं का सबसे बड़ा सपना होता है। कहा कि जिला कांग्रेस कमेटी विभिन्न संगठनों की ओर से चलाए जा रहे लालढांग-चिलरखाल मोटर मार्ग निर्माण, स्मार्ट मीटर सहित अन्य आंदोलनों को भी अपना समर्थन देता है। लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण, स्मार्ट मीटर का विरोध, मोटर नगर में अधुनिक बस अड्डे का निर्माण, हाउस टैक्स वसूली सहित अन्य मांगों को लेकर शहर में हस्ताक्षर अभियान जारी रहेगा। इसके लिए आमजन को भी जागरूक किया जाएगा। इस मौके पर कांग्रेस नेता बलवीर सिंह रावत, रंजना रावत, रमेश चंद्र खंतवाल, वीरेंद्र सिंह नेगी, जावेद हुसैन, सनोज रावत, प्रदीप नेगी, महावीर सिंह नेगी, चंद्रमोहन सिंह रावत, नरेंद्र सिंह नेगी, गोकुल सिंह आदि मौजूद रहे।

एकल नृत्य में पावनी बहुगुणा ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : शिक्षा विभाग के समग्र शिक्षा के तहत आयोजित जिला स्तरीय कला उत्सव में जिले के विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा दिखाई। कला उत्सव के तहत एकल नृत्य (शास्त्रीय) में पावनी बहुगुणा, एकल गायन व संगीत वादन में आयुष बडोनी व आंचल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। राजकीय इंटर कॉलेज पौड़ी के सभागार में आयोजित जिला स्तरीय कला उत्सव का उद्घाटन विधायक राजकुमार पोरी ने किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं के बीच इस प्रकार के कार्यक्रमों को छात्रों के विकास के लिए जरूरी बताया। कला उत्सव के तहत एकल नृत्य (शास्त्रीय) में सेंट थॉमस कांवेंट स्कूल की पावनी बहुगुणा, समूह नृत्य (लोकनृत्य) में राइंका पौड़ी नगर के हर्षित, आरजू, पूनम व सुप्रिया की टीम, जबकि समूह गायन में राइंका श्रीनगर के उर्वशी व टीम के साथ ही वादन समूह में राइंका मुंडनेश्वर की टीम प्रथम स्थान पर रही। एकल गायन व संगीत वादन में राजीव गांधी नवोदय विद्यालय संतूधार के आयुष बडोनी व आंचल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। संगीत वाद्य (ताल वाद्य) में राइंका चिपलघाट के अंशुल रावत, दृश्य कला (खेल खिलौने स्थानीय) में राजीव गांधी नवोदय विद्यालय संतुधार की अनन्या जोशी, दृश्य कला (द्विआयामी) में राइंका पौड़ी की कविता, दृश्य कला (त्रिआयामी) में राउमावि उफल्डा के अभिजीत ने प्रथम स्थान पाया। कहानी वाचन में जीजीआईसी श्रीनगर की हिमांशी व सानिया, जबकि नाटक में राकंउमावि ल्वाली की प्रियांशी, साक्षी, सुहाना व सोनाली की टीम ने बाजी मारी। इस मौके पर प्रभारी सीईओ नागेंद्र बर्त्वाल, डीईओ माध्यमिक रणजीत सिंह, बीईओ पौड़ी मास्टर आदर्श, प्रधानाचार्य भातखंडे संगीत महाविद्यालय अनिल बिष्ट, जिला समंवयक गरिमा व्यास आदि शामिल रहे।

श्रीनगर की आरूषी ने जीता गोल्ड

श्रीनगर गढ़वाल : आनंदा इंटरनेशनल स्कूल ढामक की कक्षा पांच की छात्रा आरूषी ने महाराणा स्पोर्ट्स कॉलेज देहरादून में प्राथमिक शिक्षा विभाग की 12वीं राज्यस्तरीय लंबी कूद प्रतियोगिता में चार मीटर की छलांग लगाकर गोल्ड मेडल जीता। साथ ही आरूषी ने कबड्डी में शानदार खेल दिखाते हुए सिल्वर मेडल हासिल किया। पूर्व में कोटद्वार में आयोजित जनपदीय मिनी गढ़देवा में भी आरूषी ने कबड्डी, 400 मी. दौड़ और लंबी कूद में मेडल जीतकर खिर्सू ब्लॉक को चैंपियनशिप दिलाई थी। देहरादून में हुई प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतने के बाद विद्यालय पहुंची आरूषी का शिक्षकों व छात्र-छात्राओं ने स्वागत किया। विद्यालय की प्रधानाचार्य गीता भंडारी, विद्यालय के निदेशक डॉ. उत्तम सिंह भंडारी, व्यायाम शिक्षक सुदर्शन कुंवर, गौरव बुटोला, समन रावत आदि ने आरूषी की इस उपलब्धि पर खुशी जताई। (एजेंसी)

पर्यावरण मित्रों ने शहर में निकाली पुतले की शव यात्रा

दशकों से निगम में सेवाएं दे रहे पर्यावरण मित्र को हटाए जाने पर रोष

कोटद्वार नगर निगम कार्यालय के बाहर महापौर के पुतले का दहन करते कर्मचारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पिछले कई दशकों से नगर निगम में सेवाएं दे रहे पर्यावरण मित्र को हटाए जाने पर पर्यावरण मित्रों ने रोष व्यक्त किया है। इस दौरान पर्यावरण मित्रों ने सड़क पर प्रदर्शन करते हुए महापौर के पुतले की शव यात्रा निकाली। कहा कि पर्यावरण मित्रों की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि जल्द पर्यावरण मित्रों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो वह आंदोलन को मजबूर होंगे।

शुक्रवार को देवभूमि निकाय संयुक्त कर्मचारी महासंघ के बैनर तले कर्मचारी मालवीय उद्यान में एकत्रित हुए। यहां से उन्होंने सड़क पर प्रदर्शन करते हुए पुतले की शव यात्रा निकाली। साथ ही महापौर कार्यालय के बाहर पहुंचकर पुतले को आग के हवाले कर दिया। कहा कि पर्यावरण मित्र पूरी ईमानदारी के साथ अपने कार्यों का निर्वहन कर रहे हैं। बाजूवद इनका शोषण किया जा रहा है। कहा कि पिछले 14 वर्षों से सेवाएं दे रहे पर्यावरण मित्रों को हटाया जाना न्याय संगत नहीं है। कहा कि पर्यावरण मित्रों के पास कूड़ा रिक्शा अथवा गाड़ी नहीं है। ऐसे में उन्हें बोरों व टोकरे से कूड़ा उठाना पड़ता है। कहा कि क्षेत्र में कूड़ेदान हटा दिया गए हैं, जिस कारण कर्मियों की ओर से उठाए गए कूड़े को उठाने में परेशानी होती है। आरोप लगाया कि 2007 में स्थाई पर्यावरण मित्रों का ईपीएफ का पैसा गुमराह कर काटा गया है। वह पैसा अभी तक खातों में नहीं आया है। कहा गया कि पिछले चार वर्षों से स्वच्छता समिति व आउटसोर्स पर्यावरण मित्रों को दीपावली का बोनस नहीं दिया गया है। मांग की गई कि पर्यावरण मित्रों को एक दिन का अवकाश देने, शहर में बंदर व गाय पकड़ने का कार्य पर्यावरण मित्रों से न करवाने की मांग गई। इस मौके पर महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष अजय बन्नू सूद, इकाई अध्यक्ष महेंद्र सिंह घाघट, उपाध्यक्ष विनोद खत्री, सचिव वीरेंद्र सिंह ढींगिया, दिलेंद्र गोडियाल, धीरज गोडियाल, राजू वैद्य, रीना देवी, मंजू देवी, जीतेंद्र गोडियाल सहित अन्य पर्यावरण मित्र शामिल रहे।

एवीएन ने डैफोडील्स को हराकर फाइनल में किया प्रवेश

आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते खिलाड़ी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : स्व. राजेश भारद्वाज की स्मृति में बलूनी पब्लिक स्कूल में क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान सेमीफाइनल मुकाबले में एवीएन ने डैफोडील्स को हराकर फाइनल मुकाबले में प्रवेश किया।

बलूनी पब्लिक स्कूल में चल रही सातवीं स्व. राजेश भारद्वाज स्मृति अंतर-विद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहकर खेल प्रतियोगिताओं के प्रति जागरूक किया। विशिष्ट अतिथि कांग्रेस नेत्री रंजना रावत ने विद्यार्थियों को अपने विद्यालय व क्षेत्र में होने वाली हर प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। पहले मैच में हेरिटेज एकेडमी ने डीएवी को दस रनों से हराया। दूसरे मैच में बलूनी पब्लिक स्कूल ने हैप्पी होम को 54 रनों से हराया। तीसरे मुकाबले में एनवीएन ने डैफोडील्स को नौ विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। बलूनी पब्लिक स्कूल के बल्लेबाजी ऋषि नेगी ने 19 गेंदों में 58 रन बनाकर खूब वाह-वाही लूटी। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला शनिवार को खेला जाएगा। इस मौके पर विद्यालय की संरक्षिका अभिलाषा भारद्वाज, सुनील घिल्डियाल आदि मौजूद रहे।

भुलाया नहीं जा सकता जयानंद भारतीय का योगदान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शैलशिल्पी विकास संगठन की ओर से जयानंद भारतीय की जयंती बनाई गई। इस दौरान सदस्यों ने जयानंद भारतीय के योगदान को याद किया। कहा कि समाज सेवा में दिए गए भारतीय के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

शुक्रवार को जयानंद भारतीय पुस्तकालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संगठन के सदस्यों ने जयानंद भारतीय के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उनके योगदान को याद किया। कहा कि जयानंद भारती का योगदान उत्तराखंड व समाज के लिए अत्यंत प्रेरणादायी रहा है। समाज सुधारक के लिए दिया गया उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। कहा कि जयानंद भारतीय के द्वारा सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन हेतु किए गए कार्यों पर डोली पालकी आंदोलन प्रमुख रहा। युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए। इस दौरान सरकार से जयानंद भारतीय राजकीय मेले की घोषणा को पूरा करने की मांग उठाई गई। कहा कि सरकार को इस ओर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। इस मौके पर संगठन के अध्यक्ष विकास कुमार आर्य, सतीश प्रकाश, केसीराम आदि मौजूद रहे।

बीमा कंपनी मृतक के परिजनों को देगी 19 लाख 50 हजार

अदालत ने दिये बीमा कंपी को मृतक के परिजनों को प्रतिकर देने के आदेश

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति अधिकरण/जिला जज पौड़ी की अदालत ने बीमा कंपनी को मृतक के परिजनों को उन्नीस लाख पचास हजार का प्रतिकर देने के आदेश दिए हैं।

अदालत ने बीमा कंपनी को 9 फीसदी वार्षिक ब्याज दर से एक माह के भीतर प्रतिकर प्रदान किए जाने का आदेश भी दिया है।

बता दें कि तहसील लैंसडौन के ग्राम पंचायत गोडी स्थित तल्ला गांव निवासी बृजमोहन ग्वाड़ी का बेटा विजय कुमार राजकीय पॉलीटेक्निक सतुपली में प्रथम वर्ष का छात्र था। वह बीते 20 सितंबर 2024 को अपनी कक्षा में जाने के लिए सतपुली-रीठाखाल मोटर मार्ग पर पैदल जा रहा था। इसी दौरान विपरीत दिशा से एक डंपर तेज रफ्तार से आ रहा था। अनियंत्रित डंपर ने पहले सड़क किनारे खड़ी मोटर साइकिल को टक्कर मारी और उसके बाद राहगीर पॉलीटेक्निक प्रथम वर्ष के छात्र विजय कुमार को जोरदार टक्कर मार दी थी। जिससे विजय की मौके पर ही मौत हो गई थी। मृतक के परिजनों ने मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति अधिकरण/जिला जज पौड़ी की अदालत में याचिका दाखिल कर प्रतिकर प्रदान किए जाने की अपील की थी। अधवक्ता जितेंद्र रावत ने बताया कि मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति अधिकरण/जिला जज पौड़ी धर्म सिंह की अदालत ने हादसे के मृतक विजय कुमार के परिवार को प्रतिकर पाने का हकदार पाया है। बताया कि अदालत ने यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को मृतक विजय कुमार के परिजनों को 19 लाख 50 हजार 519 रुपये का प्रतिकर दिए जाने का आदेश दिया है। बताया कि अदालत ने बीमा कंपनी को प्रतिकर की राशि मृतक के पिता बृजमोहन ग्वाड़ी, माता रेखा देवी व बहन अंजलि को एक समान (6 लाख 50 हजार 173 रुपये) धनराशि एक माह के भीतर 9 फीसदी ब्याज दर से देने के आदेश दिए हैं।

फुटबॉल में गोपाल, क्रिकेट में गंभीर, क्रॉस कंट्री में अर्जुन हाउस ने बाजी मारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : इंस्टिट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी, मैनेजमेंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) की ओर से आयोजित शरदकालीन क्रीड़ा प्रतियोगिता आईएचएमएस ऑलंपियाड-2025 के दूसरे दिन फुटबॉल, क्रिकेट, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस और बैडमिंटन खेल का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न हाउस के खिलाड़ियों ने जीत के लिए दमखम दिखाया।बीईएल रोड बलभद्रपुर स्थित कालेज के खेल मैदान में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता में पहला मैच गंभीर हाउस और गोपाल हाउस के बीच हुआ। जिसके संघर्ष पूर्ण मुकाबले में गंभीर हाउस ने मैच 2-0 से अपने नाम किया। इसके बाद हुए तीन मुकाबलों के बाद गोपाल हाउस फुटबॉल चैंपियन बना, गंभीर हाउस दूसरे और अर्जुन हाउस तीसरे स्थान पर रहे। वॉलीबॉल बालक वर्ग का अजुर्न हाउस विजेता रहा, बालिका वर्ग में गंभीर हाउस ने विजेता ट्राफी पर कब्जा जमाया। क्रिकेट प्रतियोगिता में गंभीर हाउस विजेता, गोपाल हाउस उप विजेता, जबकि प्रफुल हाउस तीसरे स्थान पर रहा। क्रास कंट्री रेस में प्रफुल हाउस ने प्रथम, अर्जुन हाउस द्वितीय और गोपाल हाउस तृतीय स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में अर्जुन हाउस चैंपियन रही। बैडमिंटन के फाइनल मुकाबले में बालिका वर्ग की बडल्स में अर्जुन हाउस ने प्रथम, प्रफुल हाउस ने द्वितीय और गोपाल हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालक वर्ग की डबल में गोपाल ने पहला, अर्जुन ने दूसरा और प्रफुल हाउस ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

अगस्त्यमुनि में 29 अक्टूबर से शुरू होगा पांच दिवसीय सहकारिता मेला

रूद्रप्रयाग : जनपद रुद्रप्रयाग में आगामी 29 अक्टूबर से 2 नवम्बर 2025 तक अगस्त्यमुनि में आयोजित होने वाले 5 दिवसीय सहकारी मेले की तैयारियां प्रशासन स्तर पर शुरू हो गई हैं। इस संबंध में जिलाधिकारी प्रतीक जैन की अध्यक्षता में जिला सभागार में विभागीय अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर मेले को भव्य और सफल बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि मेले के दौरान सभी विभाग अपने-अपने स्टॉल्स के माध्यम से शासन की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी आमजन तक पहुंचाएं, ताकि अधिक से अधिक लोग सरकारी योजनाओं से लाभान्वित हो सकें।

गढ़वाल विवि में जल्द होगी कुलसचिव की नियुक्ति

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि में लंबे समय से कुलसचिव, वित्त अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक सहित अन्य कई अधिकारियों के पद रिक्त चल रहे हैं। वर्तमान में इन पदों पर अस्थायी रूप से अधिकारियों को तैनात किया गया है। स्थायी नियुक्ति के लिए विवि की ओर विज्ञापन जारी किए गए थे। अब विवि की ओर से प्राप्त आवेदनों की स्क्रीनिंग की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी की जा रही है। गढ़वाल विवि में कुलसचिव, वित्त अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक, पुस्तकालय अध्यक्ष, हिंदी अधिकारी, उप कुलसचिव सहित अन्य पदों पर नियुक्ति के लिए विवि द्वारा करीब एक साल से अधिक समय से प्रयास किए जा रहे हैं। पूर्व में मांगें गए आवेदनों पर भर्ती न होने से विवि ने जुलाई माह में फिर से आवेदन मांगे गए। इसके बाद विवि को मिले आवेदनों की स्क्रीनिंग के बाद साक्षात्कार की प्रक्रिया शुरू होनी है। विवि के शिक्षकों, छात्रों व कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से विवि में स्थायी रूप से अधिकारियों की नियुक्तियां न होने से कई तरह की दिक्कतें हो रही हैं। कहा विवि को स्थायी कुलपति मिलने के बाद छात्रों, शिक्षकों व कर्मचारियों को स्थायी रूप से अधिकारियों के नियुक्ति प्रक्रिया में तेजी आने की उम्मीद है।

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी सूचना

• मुरादाबाद मंडल से शुरू होने वाली ट्रेनों के 33 एस. एल. आर.: गाड़ी सं. 14320 (F-I, F-II, R-I), 14236 (F-I, F-II), 14321 (F-I), 14718 (F-I, F-II, R-I), 12091 (F-I, F-II, R-I), 14315 (F-I, F-II, R-I), 14606 (F-I), 12037 (F-I), 15120 (F-I), 12018 (F-I), 14887 (F-I, F-II, R-I) 14304 (F-I, F-II, R-I), 14306 (F-I-F-II, R-I), 14314 (F-I, F-II, R-I), 22918 (F-I), 18478 (F-I) के पार्सल स्पेस को लीज पर 2 साल की अवधि के लिए देने हेतु ई-नीलामी के तहत दिनांक 31.10.25 (Timings: 10:00 am) को बोली के माध्यम से आमंत्रित की जाएगी। इसके लिए विस्तृत नियम और शर्तें www.ireps.gov.in वेबसाइट पर ही उपलब्ध है।

• मुरादाबाद मंडल से शुरू होने वाली ट्रेनों के 34 एस. एल. आर.: गाड़ी सं. 14616 (F-I, F-II, R-I), 19566 (F-I, F-II, R-I), 12912 (F-I), 14306 (F-I, F-II, R-I), 14631 (F-I, F-II, R-I), 14230 (F-I, F-II, R-I), 12056 (F-I), 14310 (F-I), 14042 (F-I, F-II, R-I), 14120 (F-I), 14090 (F-I, F-II, R-I), 14318 (F-I), 15019 (F-I), 16272 (F-I), 14311 (F-I), 14809 (F-I), 19810 (R-I), 15006 (F-I, R-I), 12172 (F-I) के पार्सल स्पेस को लीज पर 2 साल की अवधि के लिए देने हेतु ई-नीलामी के तहत दिनांक 03.11.25 (Timings: 10:00 am) को बोली के माध्यम से आमंत्रित की जाएगी। इसके लिए विस्तृत नियम और शर्तें www.ireps.gov.in वेबसाइट पर ही उपलब्ध है। 3230/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी सूचना

मुरादाबाद मंडल के बरेली, मुरादाबाद, हरिद्वार एवं देहरादून स्टेशन के पार्सल कार्यालयों में सभी आउटगोइंग पार्सल की स्कैनिंग के लिए पार्सल स्कैनर मशीन के अनुबंध हेतु 05 साल के लिए ई-नीलामी के तहत दिनांक 03.11.2025 (समय 11:00 am) को www.ireps.gov.in के माध्यम से बोली आमंत्रित की जाएगी। इसके लिए विस्तृत नियम और शर्तें वेबसाइट पर ही उपलब्ध है। 3231/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

छावनी परिषद्, लैन्सडौन (पौड़ी गढ़वाल)

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छावनी परिषद् द्वारा पर्यटकों को आकर्षित करने हेतु चर्च ब्यू प्वाईंट में पर्यावरण हितैषी खाघ प्रायोजन एवं स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों के विक्रय को प्रोत्साहन हेतु पॉच वर्षों की अवधि के लिये चर्च ब्यू प्वाईंट में एक भूखण्ड (126.1 वर्गमीटर) की निविदा देय तिथि से 05 वर्षों हेतु नीलम के लिए निविदा आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्न प्रकार है :-

कोटेशन फार्म ऑन लाईन भरने की तारीख	10 नवम्बर 2025 (दोपहर 1500 बजे तक)
कोटेशन खोलने की तिथि	11 नवम्बर 2025 (दोपहर 12.30 बजे तक)
अग्रिम धनराशि (FDR/STDR/ONLINE के द्वारा)	रू0 10,000/-
टेण्डर फार्म शुल्क	रू0 1770/-

1. कोटेशन फार्म www.defproc.gov.in वेबसाईट पर ऑनलाईन भरे जाएंगे।
2. सम्बन्धित अन्य शर्तें कार्यालय में आकर या www.defproc.gov.in पर देखी जा सकती है।

पत्रांक सं0 2000/ दुकान/छा0परि0

कार्यालय छावनी परिषद् लैन्सडौन

दिनॉक अक्टूबर 2025

(1296/57)

मुख्य अधिशासी अधिकारी
छावनी परिषद् लैन्सडौन।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता / मुख्यालय / मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No. Date	208-DRM-MB-25-26 dt. 17.10.2025	217-DRM-MB-25-26 dt. 17.10.2025	218-DRM-MB-25-26 dt. 17.10.2025
Name of work	Heavy repair of door & windows at staff quarters of ZRTI/CH and chandausi subdivision in the section of ADEN/CH.	Provision of 225KI RCC OHT in lieu of old dilapidated steel tank no.-3 along with 01 no stand-by pump house to cope-up with emergencies & replacement of damaged/wornout pipe lines and fittings in NORTH colony under ADEN/HQ/MB.	Heavy Repair and Painting of Steel Structures & Heavy Repair to Road Surface at Various LC'S in the Section of SSE/W/CH under ADEN/CH.
Tender Closing Date Time	12.11.2025	12.11.2025	12.11.2025
Advertised Value (Rs.)	74,99,997.52	95,24,137.15	1,39,99,996.53
Earnest Money (Rs.)	1,50,000.00	1,90,500.00	2,20,000.00
Tender Cost (Rs.)	0.00	0.00	0.00
Bidding Start Date	29.10.2025	29.10.2025	29.10.2025
Period of Completion	06 Months	06 Months	06 Months

सं. 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक : 17.10.2025 3239/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संक्षिप्त समाचार

दीपावली पर्व पर अल्मोड़ा में यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने को दिए दिशा–निर्देश

अल्मोड़ा। दीपावली पर्व के मद्देनज़र अल्मोड़ा क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए पुलिस ने विशेष तैयारी शुरू कर दी है। शुक्रवार को पुलिस लाइन सभागार में क्षेत्राधिकारी (सीओ) अल्मोड़ा गोपाल दत्त जोशी ने यातायात पुलिस कर्मियों की बैठक लेकर उन्हें आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने धनतेरस और दीपावली के दौरान बाजारों में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए यातायात नियंत्रण के प्रभावी प्रबंध करने के निर्देश दिए। सीओ जोशी ने कहा कि मुख्य बाजार क्षेत्रों, पार्किंग स्थलों और नो–एंट्री जोनों पर विशेष निगरानी रखी जाए, ताकि किसी भी प्रकार की जाम या अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया कि वे अपने–अपने ड्यूटी प्वाइंट पर सतर्क रहकर समय–समय पर पेट्रोलिंग करें। सीओ जोशी ने कहा कि पुलिस कर्मियों को जनता के साथ शालीनता और सहयोगात्मक व्यवहार रखना चाहिए तथा लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने त्योहार के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से पूरी सतर्कता बरतने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक यातायात दरबान सिंह, प्रभारी प्रतिसार निरीक्षक मोहित कुमार, उपनिरीक्षक यातायात सुमित पांडे सहित यातायात पुलिस के जवान उपस्थित रहे।

लावारिस मवेशियों की समस्या को लेकर भीम आर्मी का धरना

रुद्रपुर। खटीमा में लगातार लावारिस मवेशियों से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने और उनकी उचित व्यवस्था करने की मांग को लेकर भीम आर्मी के सदस्यों ने शुक्रवार को नगर पालिका में धरना दिया। भीम आर्मी ने शहर की सड़कों और गलियों को लावारिस मवेशियों से मुक्त कराने की मांग की। शुक्रवार को भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष, सितारगंज निवासी सतेंद्र कुमार के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारी नगर पालिका पहुंचे। उन्होंने नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पदाधिकारियों ने कहा कि लावारिस मवेशियों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिसमें कई लोगों की जान जा चुकी है और कई घायल हो चुके हैं। शहर की सड़कों पर लावारिस मवेशियों की उपस्थिति जाम की स्थिति पैदा करती है, खासकर शाम और रात के समय। इसके अलावा, फसलों को भी भारी नुकसान हो रहा है। जिलाध्यक्ष सतेंद्र कुमार ने बताया कि इस समस्या के समाधान के लिए नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी से वार्ता की गई। पालिका अध्यक्ष ने कहा कि समस्या का समाधान करने के लिए 2–3 महीने का समय चाहिए।

दीपावली पर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, अस्पतालों में बढ़ाई चौकसी

रुद्रपुर। दीपावली पर्व के दृष्टिगत स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है। पटाखों से संभावित दुर्घटनाओं को देखते हुए सभी चिकित्सा अधिकारियों और कर्मचारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने जिले के सभी अस्पतालों में आपातकालीन सेवाओं को 24 घंटे सक्रिय रखने पर जोर दिया है, ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में मरीजों को त्वरित उपचार मिल सके। जिला स्वास्थ्य विभाग ने निर्देश जारी कर कहा है कि आपातकालीन कक्ष हर समय सक्रिय रखा जाए और आवश्यक दवाइयों, ड्रेसिंग सामग्री और ऑक्सीजन सिलेंडरों की उपलब्धता पहले से सुनिश्चित की जाए। साथ ही शल्य चिकित्सक, एनेस्थेटिस्ट, नेत्र रोग विशेषज्ञ, ईएनटी चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ और पैरामेडिकल कर्मियों की उपस्थिति ड्यूटी रोस्टर के अनुसार अनिवार्य की गई है।

बाजपुर में संपन्न हुई क्षेत्र पंचायत विकास समिति की बैठक

काशीपुर। शुक्रवार को ब्लॉक सभागार में क्षेत्र पंचायत विकास समिति की बैठक हुई। बैठक में विकास कार्यों की आगामी कार्ययोजना तैयार करने के लिए विभिन्न सदस्यों द्वारा कुल 128 प्रस्ताव सम्मिलित किए गए। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख सुखमन औलख ने की। खंड विकास अधिकारी शेखर जोशी ने बैठक का एजेंडा प्रस्तुत करते हुए कार्यवाही की शुरुआत की। बैठक में क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने गांवों की विभिन्न समस्याओं को रखा। बेरिया दौलत, शिवपुरी, महेशपुरा और हरसान में विद्युत पोलों की आवश्यकता व झूलते तारों को दुरुस्त कराने की मांग की गई। बीडीसी सुरेश सैनी ने महेशपुरा गांव में तालाब की चाहरदीवारी, बिजली के पोल और सड़क निर्माण की आवश्यकता बताई। वहीं, जिला पंचायत सदस्य जितेंद्र शर्मा ने हरलालपुर स्कूल के प्रांगण से गुजर रही बिजली लाइन को तत्काल शिफ्ट करने की मांग की।

महिलाएं बनें पोषण, स्वच्छता और शिक्षा की प्रेरणास्रोत : डीएम

मातृशक्ति ही समाज की पहली शिक्षक, पोषण संस्कार और संस्कृति का संगम है ,जिलाधिकारी ने पारंपरिक व्यंजन प्रतियोगिता विजेताओं को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : बाल विकास विभाग, पौड़ी के तत्वाधान में जिला मुख्यालय स्थित प्रेक्षागृह में राष्ट्रीय पोषण माह के समापन अवसर पर पोषण किट वितरण एवं पारंपरिक स्वस्थ व्यंजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने पारंपरिक व्यंजन प्रतियोगिता की टीमों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया, वहीं बालिकाओं को किशोरी किट भी प्रदान किए। जिलाधिकारी ने महिलाओं से आह्वान किया कि वे अपने परिवारों और समाज में पोषण, स्वच्छता और शिक्षा की प्रेरणास्रोत बनें।

शुक्रवार को आयोजित इस कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। उन्होंने पौड़ी, कोट, खिर्सू, कल्जीखाल और पाबौ विकासखण्ड की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा लगायी गयी पारंपरिक व्यंजनों की स्टॉल्स का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सिलबट्टे पर पारंपरिक नमक व चटनी तैयार कर स्थानीय खानपान संस्कृति के संरक्षण का संदेश दिया। महिलाओं ने जिलाधिकारी का पारंपरिक मांगलिक गीतों के साथ उत्साहपूर्वक स्वागत किया। प्रेक्षागृह में उपस्थित महिलाओं और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि आप सभी का यह उत्साह मातृशक्ति की सच्ची ताकत को दर्शाता है। एक मां ही समाज की पहली शिक्षक होती है और बच्चों का भविष्य उसकी गोद में आकार लेता है। बच्चे के जीवन के शुरुआती कुछ वर्ष उसके मानसिक और बौद्धिक विकास के लिए सबसे अहम होते हैं। इन वर्षों में मां का स्नेह, पोषण और संवाद ही बच्चे की दिशा और दशा तय करता है। उन्होंने कहा कि पोषण केवल भोजन नहीं बल्कि संस्कार, परंपरा और जिम्मेदारी का संगम है। पारंपरिक व्यंजन हमारी संस्कृति की पहचान हैं और इनसे स्थानीय पौष्टिकता एवं स्वास्थ्य सुरक्षा दोनों का संदेश मिलता है। ब्लॉक प्रमुख अस्मिता नेगी ने कहा कि महिलाओं की भागीदारी के बिना समाज का संतुलित विकास संभव नहीं है। आज की यह पहल महिलाओं को आत्मनिर्भरता, जागरुकता और स्वास्थ्य के प्रति सजग बना रही है। जिलाधिकारी के मार्गदर्शन से ग्राम स्तर तक पोषण अभियान को नयी ऊर्जा मिली है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष कमल किशोर रावत सहित विभागीय अधिकारी, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां, महिलाएं एवं किशोरियां उपस्थित रहीं।

पारंपरिक व्यंजन में कोट ब्लॉक की टीम रही अव्वल

पारंपरिक व्यंजन प्रतियोगिता में विकासखण्ड कोट की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की टीम प्रथम, पौड़ी एवं खिर्सू की टीम द्वितीय, कल्जीखाल की टीम तृतीय स्थान पर रही। विजेता टीमों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। इसके साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित 45 बालिकाओं को किशोरी किट वितरित की गयी। जिला कार्यक्रम अधिकारी देवेंद्र थपलियाल ने कहा कि राष्ट्रीय पोषण माह का मुख्य उद्देश्य यह है कि हर घर में पोषण को जीवनशैली का हिस्सा बनाया जाय। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की मेहनत और समुदाय की सहभागिता से जनपद में पोषण अभियान सशक्त रूप से आगे बढ़ रहा है।

पूर्व विधायक मुकेश कोली ने किया क्षेत्र भ्रमण

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पूर्व विधायक मुकेश कोली ने विकासखण्ड कल्जीखाल के विभिन्न गांवों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्याओं को सुना और उनके निस्तारण का आश्वासन दिया। क्षेत्र भ्रमण के दौरान पूर्व विधायक ने कुलड़ी रामलीला मंचन में भी अतिथि के तौर पर शिरकत की। भ्रमण के दौरान पूर्व विधायक ने कांसखेत, धण्डियाल, बनेख, धारी, ओलना, बूंगा, बिलखेत में भाजपा कार्यकर्ताओं से शिष्टाचार भेंटकर समसामयिक विषयों पर चर्चा की। इसके अलावा उन्होंने भुवनेश्वरी मंदिर सागुड़ा में मां भुवनेश्वरी का आशीर्वाद प्राप्त किया व प्रसाद ग्रहण किया।

डीएम बंसल के कड़े एक्शन से घुटनों के बल आ गया स्कूल प्रबन्धन

देहरादून। विगत जनता दर्शन में निजी स्कूल में शिक्षण कार्य करा रही कनिका मदान जिलाधिकारी सविन बसंल से गुहार लगाई कि वे मोथोरोवाला में इडिफाई वर्ल्ड स्कूल में शिक्षण का कार्य करती हैं। स्कूल उनके माह मार्च तथा जुलाई के वेतन सहित सुरक्षा राशि नही दे रहा है साथ ही स्कूल प्रबन्धन द्वारा अनुभव प्रमाण पत्र भी जारी नही किया गया है। जिस पर जिलाधिकारी ने मुख्य शिक्षा अधिकारी को तत्काल कार्यवाही करते हुए वस्तुस्थिति से अवगत कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी सविन बंसल जनहित असहाय, व्यथितों शोषितों के प्रकरण कड़े एक्शन के लिए जाने जाते हैं अपनी कार्य प्रवृत्ति के अनुसार निरंतर बड़े निर्णय ले रहे है। जिलाधिकारी के संज्ञान लेते ही नामी गिरामी स्कूल घुटनों के बल आ गया तथा कनिका मदान को 2 माह का वेतन भुगतान के चैक धनराशि रू० 78966 जारी करते हुए अनुभवन प्रमाण पत्र जारी किया जा रहा है।असहाय, व्यथितों, शोषितों के हितार्थ जिलाधिकारी के हस्तक्षेप के अंजाम सर्वविधित है इसका फिर एकबार ताजा उदाहरण निजी स्कूल की शिक्षिका कनिका मदान के मामले में आया है। इस प्रकार निरंतर कार्य एवं एक्शन जिला प्रशासन द्वारा जनहित में लिए जा रहे है, जिससे जनमानस में सरकार एवं प्रशासन के प्रति विश्वास बढा है। स्वास्थ्य से लेकर, शिक्षा रोजगार तक जिला प्रशासन द्वारा निरंतर कार्य किए जा रहे है। जो कि एक सराहनीय पहल है। इससे शोषण करने वालों में भी भय का माहौल है।

कर्मचारियों का धरना प्रदर्शन जारी

देहरादून। उत्तराखंड राज्य कर कर्मचारियों का लक्ष्मी रोड स्थित आयुक्त कर मुख्यालय पर शुक्रवार को भी प्रदर्शन जारी रहा। उत्तराखंड राज्य कर मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष जगमोहन नेगी ने कहा कि कर्मचारियों की मुख्य मांग अधिकारियों के पद बढ़ने के साथ कर्मचारियों के पद बढ़ाने की है लेकिन सरकार की ओर से इस ओर कार्रवाई नहीं की जा रही है। कर्मचारियों की संख्या 777 है, जबकि अधिकारी 481 है। आरोप लगाया कि कर्मचारियों की संख्या बहुत कम होने के कारण उनका शोषण हो रहा है। कर्मचारियों ने राज्य कर अधिकारियों की नई नियमावली बनाई जाने, जीएसटी के अन्तर्गत विभिन्न सूचना के संकलन विश्लेषण के लिए यूटिलिटी तैयार होने, पदोन्नति, परित्याग नियमावली से विभाग को अवमुक्त करने, कार्मिकों के आवास देने जैसी अन्य मांगों पर भी जोर दिया। प्रदेश अध्यक्ष अरूण पांडेय ने कहा है कि उनकी मांगों पर ध्यान नही दिया गया तो कार्य बहिष्कार किया जाएगा। इस मौके पर शाखा अध्यक्ष महिमा कुकरेती, सुरेश शर्मा, सुनील निरंजन, अर्चना हेमदान, बुद्धि सिंह, रघुवीर तोमर, संगीता, दर्शनलाल बेलवाल, प्रमोद भण्डारी, दिनेश रावत, हरीश राठौर, शैलेन्द्र नेगी, रीता रानी, रविंद्र गुसाई आदि उपस्थित रहे।

जिला सैनिक कल्याणधिकारी ने सुनी पूर्व सैनिकों और आश्रितों की समस्याएं

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : शुक्रवार को जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी पौड़ी मेजर करण सिंह रावत (अ.प्रा.) की अध्यक्षता में पूर्व सैनिकों एवं सैनिक विधवाओं व उनके आश्रितों हेतु न्याय पंचायत पांचाली ब्लॉक कल्जीखाल में पूर्व सैनिकों के लिए मासिक शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान पूर्व सैनिकों की पेंशन से संबंधित भाग दो आदेश एवं अन्य कार्यों का मौके पर ही निस्तारण किया गया है।

सैनिक कल्याण अधिकारी ने केंद्रीय सैनिक बोर्ड, राज्य सरकार एवं सैनिक कल्याण पुनर्वास संस्था द्वारा चलाई जा रही विभिन्न प्रकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। सैनिक कल्याण अधिकारी ने कहा कि पूर्व सैनिक अपनी समस्याओं की जानकारी ब्लॉक प्रतिनिधि को दे सकते है। उनकी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जायेगा। इस अवसर पर वहीं मनियारस्यूं वरिष्ठ नागरिक जन कल्याण मंच समिति द्वारा जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी को बुके देकर सम्मानित किया गया। शिविर में 20 पूर्व सैनिकों एवं 5 सैनिक विधवाओं एवं आश्रितों ने प्रतिभाग किया। शिविर में सूबेदार मेजर रिटायर त्रिलोक सिंह, सुरेन्द्र सिंह गुसाईं, संजय सिंह रावत, ब्लॉक प्रतिनिधि राकेश रावत, पराविधिक स्वयं सेवी एवं पूर्व सैनिक सज्जन सिंह नेगी, जगमोहन डांगी आदि मौजूद थे।

मानसी और प्रदीप ने जीता चैम्पियन का खिताब

थलीसैंण महाविद्यालय की क्रीड़ा प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण के साथ सम्पन्न

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण में दो दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा समारोह पुरस्कार वितरण के साथ सम्पन्न हो गया है। चैम्पियन का खिताब बालिका वर्ग में मानसी एमए प्रथम सेमेस्टर, बालक वर्ग में प्रदीप सिंह बीए प्रथम सेमेस्टर ने जीता।

शुक्रवार को खेलकूद प्रतियोगिताओं अन्तिम दिन 200 मी. दौड़ बालक वर्ग में प्रदीप सिंह, सुरेन्द्र सिंह एवं संदीप सिंह, बालिका महिला वर्ग में मानसी, सरस्वती एवं साक्षी, 400 मी. बालक वर्ग में प्रदीप सिंह, प्रवीण सिंह एवं वासुदेव सिंह, बालिका वर्ग में सरस्वती, लक्ष्मी एवं मानसी, 800 मी. बालक वर्ग प्रवीण सिंह, अमित सिंह एवं नरेन्द्र सिंह, बालिका वर्ग में लक्ष्मी, मानसी एवं सुमन, ऊंची कूद बालक वर्ग में प्रवीण सिंह, गुलाब सिंह एवं प्रदीप सिंह, बालिका वर्ग में मानसी एवं प्रीति, लम्बी कूद बालक वर्ग में सुरेन्द्र सिंह, नरेन्द्र सिंह एवं वासुदेव, बालिका वर्ग में सुनीता, मानसी एवं प्रीति ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया।

खो-खो बालक व बालिका वर्ग में कला संकाय, रस्सा-कस्सी बालक व बालिका वर्ग में कला संकाय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंतर संकाय प्रतियोगिता के आधार पर कला संकाय विजेता रहा। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र चन्द्र सिंह, क्रीड़ा प्रभारी डॉ. विकास प्रताप आदि मौजूद थे।

विण ब्लॉक में मनेरगा के तहत कराए जाएं पक्के निर्माण कार्य

पिथौरागढ़। शहर से लगे गांवों में मनेरगा के तहत पक्के निर्माण कार्य नही किए जा रहे हैं। शुक्रवार को विण ब्लॉक के ग्राम प्रधानों ने डीएम को ज्ञापन देकर ग्राम पंचायतों में पक्के निर्माण व व्यक्तिगत कार्य कराने की मांग उठाई है। नगर के टकाना स्थित कलक्ट्रेट में विण ब्लॉक के ग्राम प्रधान एकत्र हुए। इस दौरान ग्राम प्रधान संगठन के अध्यक्ष भरत राम ने बताया कि शहर से लगे गांव में मनेरगा संचालन में काफी दिक्कतें आ रही हैं। कहा कि इसका मुख्य कारण अधिकांश योजनाओं में कृषि, जल, भूमि संरक्षण से संबधित कार्यों में कच्चे कार्यों को दी जा रही प्राथमिकता है। ग्राम पंचायतों में पर्याप्त भूमि है, स्थानीय लोग मनेरगा के तहत रोजगार की मांग कर रहे हैं। संपर्क मार्ग, दीवार, नौले–धारे संवर्धन, चैक डैम व व्यक्तिगत रोजगारपरक जैसी योजनाओं को प्राथमिकता नही मिल रही है। प्रधानों ने बताया कि नगर में कार्यों को देखकर ग्रामीण जनता उसी तरह से निर्माण कार्य कराने की बात कर रही है,जो मनेरगा के तहत संभव नही है। उन्होंने पक्के निर्माण कार्यों व व्यक्तिगत कार्यों को कराने की मांग उठाई और श्रमांश व सामग्री के अनुपात को 60 व 40 करने की मांग की।

फेक नैरेटिव के इर्द–गिर्द घूम रही भाजपा संगठन और सरकार की राजनीति

देहरादून। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने भाजपा संगठन और सरकार पर निशाना साधा है। माहरा ने आरोप लगाया है कि सरकार की राजनीति अब कुछ तयशुदा शब्दों– फेक नैरेटिव, अर्बन नक्सल और जिहाद के इर्द–गिर्द सिमट कर रह गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के पास असल मुद्दों पर जनता से कहने के लिए कुछ नहीं बचा है और ये शब्द अब उनकी असफलता को ढकने का जरिया बन गए हैं। माहरा ने कहा कि अगर इन तीन शब्दों को मुख्यमंत्री के भाषण से हटा दिया जाए, तो उनके पास जनता से कहने के लिए कुछ भी नहीं बचेगा। उन्होंने दावा किया कि असल मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए मुख्यमंत्री अब इन्हीं शब्दों को अपनी ढाल बना रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रदेश में हो रहे घोटालों को लेकर भी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एक के बाद एक घोटालों का खुलासा हो रहा है, जिनमें भर्ती घोटाला, खनन में लूट और सरकारी जमीनों को खुर्दबुर्द करने के मामले शामिल हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेता भ्रष्टाचार और महिला उत्पीड़न जैसे गंभीर मामलों में फंसे हुए हैं, मगर मुख्यमंत्री आंख मूंदकर बैठे हैं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग में कथित भ्रष्टाचार पर भी गंभीर सवाल उठाए। माहरा के अनुसार, स्वास्थ्य विभाग में कुछ हजार रुपये की मशीनें लाखों में खरीदी जा रही हैं ।

मानसून से हुई क्षतियों के आंकलन के लिए भारत सरकार की टीम पहुंची अल्मोड़ा

अल्मोड़ा। मानसून के दौरान जनपद में हुई क्षतियों के आकलन के लिए भारत सरकार की टीम शुक्रवार को अल्मोड़ा पहुंची। आपदा के बाद की आवश्यकताओं के आकलन पीडीएनए के तहत जिला सभागार में मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में विशेषज्ञों की टीम ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में हुई क्षति का विस्तृत मूल्यांकन किया और पुनर्वास तथा पुनर्निर्माण की आवश्यकताओं पर चर्चा की। मुख्य विकास अधिकारी ने टीम को जनपद में आई आपदाओं और राहत व पुनर्निर्माण से संबंधित कार्यों की जानकारी प्रेजेंटेशन के माध्यम से दी। उन्होंने आपदा प्रभावित इलाकों में किए गए सुधारात्मक प्रयासों और विभागीय कार्ययोजनाओं पर भी विस्तार से जानकारी साझा की। भारत सरकार की टीम में केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआई) के मुख्य वैज्ञानिक डॉक्टर अजय चौरसिया, यूएलएमएमसी के प्रधान सलाहकार डॉक्टर मोहित कुमार पुनिया, हिमाचल विश्वविद्यालय के उप निदेशक डॉक्टर महेश शर्मा, तथा यूएलएमएमसी के सहायक अभियंता सार्थक चौधरी और अमित गैरोला शामिल थे। टीम ने आपदा प्रभावित क्षेत्रों का स्थल निरीक्षण कर भवनों, सड़कों, पुलों, आवासों और आजीविका से जुड़ी क्षति का मूल्यांकन किया।

देसी शराब की तस्करी के आरोप में दो गिरफ्तार

रुद्रपुर। आबकारी विभाग ने ट्रांजिट कैंप में चेकिंग के दौरान 21 पेटी देसी शराब के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जिला आबकारी अधिकारी एनआर जोशी ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर गुरुवार देर रात ट्रांजिट कैंप क्षेत्र में एक संदिग्ध स्कूटी को रोका गया। तलाशी में 5 पेटी देसी शराब बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी ने प्रीत विहार क्षेत्र में अतिरिक्त स्टॉक होने की जानकारी दी। टीम ने वहां से 16 पेटी और जब्त कीं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुनील पुत्र महेंद्र पाल निवासी वार्ड 8, रम्पुरा और दुकान मालिक बृजकिशोर वार्ड 25 प्रीत विहार के रूप में हुई है।

डीएम ने बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान कार्यों का किया स्थलीय निरीक्षण

डीएम ने भगवान बदरी विशाल की पूजा–अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार ने शुक्रवार को श्री बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत चल रहे निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भगवान बदरी विशाल की पूजा-अर्चना कर सभी जनपद वासियों के सुख समृद्धि की कामना की। बदरीनाथ मंदिर पहुंचने पर बदरी-केदार मंदिर समिति (बीकेटीसी) के प्रभारी अधिकारी विपिन तिवारी ने जिलाधिकारी का स्वागत किया। उन्हें भगवान बदरी विशाल का प्रसाद एवं अंगवस्त्र भेंट किया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने रिवर फ्रंट विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने पीआईयू के अधिशासी अभियंता योगेश मनराल से धाम में किए जा रहे निर्माण कार्यों की विस्तृत जानकारी ली और ब्रह्मकपाल क्षेत्र में चल रहे कार्यों का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने सभी निर्माण कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने एराइवल प्लाजा का भी निरीक्षण किया और कार्यों की गुणवत्ता की जांच करते हुए शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। बदरीनाथ भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी ने तीर्थ पुरोहित एवं पंडा समाज के प्रतिनिधियों से भेंट की और उनकी समस्याओं को ध्यान पूर्वक सुनते हुए शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी जोशीमठ चंद्रशेखर वशिष्ठ, तहसीलदार महेंद्र आर्य, अधिशासी अधिकारी सुनील पुरोहित सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

दीपों से नहीं, मेहनत और रचनात्मकता से जगमगाएगी दीपावली

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : दीपावली का पर्व नजदीक आते ही चारों ओर उल्लास, प्रकाश और उत्साह का वातावरण है। इसी क्रम में जनपद रुद्रप्रयाग की महिलाएं अपनी मेहनत और रचनात्मकता से इस पर्व को विशेष बना रही हैं। ब्लॉक जखोली के अंतर्गत जय रुद्रनाथ स्वायत सहकारिता समिति जवाड़ी से जुड़ी हिमाद्री महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाएं बद्री गाय के गोबर से आकर्षक दीपक एवं जड़ी-बूटियों से बनी धूप का निर्माण कर रही हैं।

समूह की अध्यक्ष गुड्डी देवी ने बताया कि उन्होंने अब तक 3000 से अधिक पर्यावरण हितैषी दीपक तैयार किए हैं, जिनकी बाजार में अच्छी मांग देखी जा रही है। उन्होंने बताया कि सरस आजीविका मेला 2025, मुनि की रेती में उन्होंने 500 से अधिक दीपक विक्रय किए हैं। इस पहल से न केवल घरों को स्वदेशी रोशनी से सजाने का अवसर मिल रहा है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता और आजीविका के नए द्वार भी खुल रहे हैं। इन महिलाओं द्वारा निर्मित गोबर आधारित दीये न केवल पर्यावरण संरक्षण का उदाहरण हैं, बल्कि स्थानीय संसाधनों के उपयोग से आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक सशक्त कदम भी हैं। इस पहल से महिलाओं में आत्मविश्वास और स्वावलंबन की भावना का विस्तार हो रहा है। मुख्य विकास अधिकारी रुद्रप्रयाग राजेंद्र सिंह रावत ने समूह की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ह्लस्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित स्वदेशी दीपक आत्मनिर्भर भारत और महिला सशक्तिकरण का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। इस प्रकार के नवाचार न केवल आर्थिक मजबूती प्रदान करते हैं बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन को भी प्रोत्साहित करते हैं। प्रशासन द्वारा ऐसे प्रयासों को आगे भी पूरा सहयोग दिया जाएगा। इस तरह रुद्रप्रयाग की ग्रामीण महिलाएं दीपावली पर न केवल अपने घरों को बल्कि अपने परिश्रम और नवाचार से आत्मनिर्भरता की ज्योति से पूरे जनपद को जगमगा रही हैं।

द्वाराहाट में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान पर संगोष्ठी आयोजित

अल्मोड़ा। आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत गुरुवार को द्वाराहाट में 'आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान एवं जीएसटी' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को जन–जन तक पहुँचाना और समाज में जागरूकता फैलाना रहा।

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं पूर्व जिलाध्यक्ष रवि रौतेला ने आत्मनिर्भरता के सिद्धांतों और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य देश को सामाजिक, आर्थिक और व्यापारिक रूप से सशक्त बनाना है। रौतेला ने उपस्थित लोगों से देश की प्रगति में सक्रिय योगदान देने और प्रत्येक गतिविधि के अंत में स्वदेशी संकल्प लेने का आह्वान किया। रवि रौतेला ने कहा कि भाजपा संगठन और सरकार का यह ऐतिहासिक अभियान भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। उन्होंने ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ण का उदाहरण देते हुए बताया कि रक्षा, तकनीक, ऊर्जा और विनिर्माण क्षेत्रों में हुई उपलब्धियाँ आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ी उपलब्धि हैं। रौतेला ने कहा कि स्वदेशी क्षमताएँ भारत को रणनीतिक रूप से स्वतंत्र और मजबूत बनाती हैं। दीपावली पर स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी करने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि यही सच्ची देशभक्ति है। संगोष्ठी में आत्मनिर्भर भारत अभियान के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा भी प्रस्तुत की गई।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com